तापमान

अधिकतम 44.3 डिग्री

न्यूनतम 28.2 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि

रायपुर, रविवार 24 मई 2026

धूप का कहर...

300 की ओपीडी, 80 से 90 मरीज मौसम से पीड़ित

आंबेडकर अस्पताल में बढ़े त्वचा के मरीज, सनबर्न की शिकायत, ओपीडी में पहुंच रहे 300 से ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मई की तपती धूप ने प्रदेश में कहर बरपाना शुरू कर दिया है। सुबह 11 से शाम चार बजे तक की तेज धूप ने आंबेडकर अस्पताल के त्वचा रोग विभाग में मरीजों की संख्या बढ़ा दी है। यहां नियमित रूप से होने वाली औसतन तीन सौ की ओपीडी में 80 से 90 मरीज मौसम की मार से पीड़ित हैं। ज्यादातर शिकायत पराबैंगनी किरणों के सीधे प्रभाव में रहने वालों में सर्न बर्न की है। त्वचा में एलर्जी, खुजली और रैशेज जैसी समस्याओं से

पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बार की गर्मी कुछ ज्यादा ही असर दिखा रही है, खासकर दोपहर की धूप बिना सुरक्षा घूमने वालों को किसी ना किसी तरीके से बीमार कर रही है। डॉक्टरों का कहना है कि दोपहर के समय तेज धूप में अधिक देर तक रहने से त्वचा संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। दोपहर में अल्टावाइलेट किरणों का मानव शरीर का विपरीत असर होता है। खासकर संवेदनशील त्वचा वालों को इसकी वजह से विभिन्न परेशानी आने लगती है। इसकी वजह त्वचा पर लाल चकत्ते, जलन, ▶▶| शेष पेज 15 पर

सूती कपड़े का प्रयोग, शरीर हाईड्रेट रखें

त्वचा रोग विभाग के विशेषज्ञ डा. मृत्युजंय सिंह ने कहा कि तेज धूप से बचना चाहिए। ज्यादा जरूरत होने पर बाहर निकलने के दौरान छाता, टोपी, सनस्क्रीन और सूती कपड़ों का उपयोग चाहिए। इसके अलावा शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। ज्यादा पसीना आने पर चेहरे और त्वचा को साफ पानी से धोते रहें। त्वचा पर लाल चकत्ते, खुजली या जलन होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। तली-भुनी और ज्यादा मसालेदार चीजों से परहेज कर हल्का भोजन लें।

मौसमी बीमारी भी कम नहीं

तेज गर्मी के दौरान मौसमी बीमारी की शिकायत भी बढ़ती जा रही है। धूप की वजह से हीट-स्ट्रोक और खानपान में लापरवाही की वजह से फूड पाइजनिंग जैसी समस्या भी बढ़कर सामने आ रही है। गर्मी के असर से बुखार, कमजोरी जैसी शिकायत काफी आम है। इसके इलाज के लिए लोगों की भीड़ सरकारी सहित निजी अस्पतालों में बढ़ चुकी है। अस्पतालों में आने वाले मरीजों को निशुल्क ओआरएस का पैकेट भी वितरित किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

जब्त नशीले पदार्थों को जलाकर किया नष्ट

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट पश्चिम जोन क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्र से 42 प्रकरणों में जब्त किया गया गांजा 399.576 किलोग्राम, ब्राउन शुगर 2.90 ग्राम, नशीली टेबलेट 1738 का शनिवार को पुलिस ने नष्टीकरण किया। केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के आदेश के परिपालन में पुलिस मुख्यालय द्वारा गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी रायपुर ने पुलिस उपायुक्त संदीप कुमार पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त आजाद चौक ईशु अग्रवाल, जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार शर्मा की उपस्थिति में सिलतरा स्थित जायसवाल निको कंपनी के पॉवर प्लांट की भट्ठी में एक साथ डालकर उसे जलाकर नष्ट किया।

गांजा के साथ आदतन अपराधी गिरफ्तार

रायपुर। मुजगहन पुलिस ने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बोरियाकला में आदतन अपराधी राजकमल यादव निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बोरियाकला को 5.121 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। उसे बोरियाकला स्थित श्मशानघाट के पास खंडहर मकान से गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा की कीमत 70 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

सूने मकान का टूटा ताला 75 हजार की चोरी

रायपुर। कबीर नगर क्षेत्र के हीरापुर में एक सूने मकान में चोरी हो गई। प्रार्थिया प्रमिला तिवारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 22 मई को सुबह 10 से दोपहर 12.30 बजे के बीच उसका घर सूना था। घर में कोई नहीं था। इसी बीच कोई अज्ञात चोर उसके घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखी नकदी एवं सोने-चांदी के जेवर कुल जुमला 75 हजार चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामले में बीएनएसः 331-3, 305-ए के तहत अपराध दर्ज किया है।

खम्हारडीह थाना चौक के पास विशाल रोटरी पर ऐतराज के बाद यूटर्न

खम्हारडीह रोटरी फेल हुई तो 18 चौराहों का काम रुका, अब नए सिरे से सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खबर का असर

शहर के 18 प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक का दबाव कम करने नगर निगम और ट्रैफिक विभाग मिलकर दोबारा सर्वे करेंगे। इस सर्वे में इसका ध्यान रखा जाएगा कि पिछले बार सर्वे के दौरान हुई खामियां दोबारा न दोहराई जाएं। मुख्यमंत्री नगर उत्थान योजना के तहत शहर के व्यस्त और प्रमुख चिन्हांकित चौराहों को इसमें लिया गया है, इस कार्य में 9 करोड़ रुपए खर्च होंगे। खम्हारडीह थाना चौक के पास ट्रैफिक का दबाव कम करने नगर निगम द्वारा बनवाई जा रही विशाल रोटरी का निर्माण विवादों में घिरने और उसे मलबे को तोड़कर वहां से हटाने के बाद इस मार्ग में पहले जैसी चौड़ी सड़क मिलने से लोगों ने राहत की सांस ली है। अब यहां ट्रैफिक जाम नही होने से इस मार्ग पर आने-जाने वालों को काफी राहत मिली है। महापौर मीनल चौबे और क्षेत्र ▶▶| शेष पेज 15 पर

इन स्थानों का चयन दबाव होगा कम

- आनंद नगर चौक
- अनुपम नगर चौक
- शहीद भगत सिंह चौक
- बंजारी बाबा मजार-मोतीबाग चौक
- भारत माता चौक
- भारत माता चौक शंकर नगर
- सिविल लाइन
- फाफाडीह चौक, जयस्तंभ चौक
- कालीबाड़ी चौक
- खम्हारडीह थाना चौक
- खजाना चौक ▶▶| शेष पेज 15 पर

व्यहारिक दिक्कत न हो इसलिए दोबारा सर्वे

शहर के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण डेढ़ दर्जन चौराहों की दशा सुधारने ऑनलाइन टेंडर कर एजेंसी का चयन किया गया है। इसके लिए ट्रैफिक विभाग द्वारा नगर निगम के सहयोग से संबंधित स्थलों पर गाड़ियों की आवाजाही, ट्रैफिक की स्थिति को लेकर सर्वे किया गया। आम जनता को इसमें किसी तरह की व्यवहारिक दिक्कत न आए, इसके लिए हम दोबारा सर्वे कराएंगे।

*- **मीनल चौबे**, महापौर, नगर निगम रायपुर*

158 दिव्यांगों पर 5 करोड़ बकाया

किस्त पटाना बंद, इसलिए जरूरतमंदों को भी मिल नहीं पा रहा लोन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

दिव्यांगों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए लाई गई दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना का लाभ अब जरूरतमंदों को मिल नहीं पा रहा है। इसका कारण पूर्व में इस योजना के तहत जिन दिव्यांगजनों ने लोन लिया है, उनमें से लगभग 20 प्रतिशत हितग्राही लोन पटा पाए हैं, वहीं 80 प्रतिशत हितग्राहियों ने लोन की किस्त पटाना ही बंद कर दिया हैं, जिसके कारण रायपुर जिले में 158 हितग्राहियों पर 5 करोड़ रुपए से अधिक का लोन बकाया है। इस राशि की वसूली के लिए विभाग लगातार लोन लेने वाले हितग्राहियों को नोटिस जारी कर रहा है। इसके बाद भी कुछेक को छोड़कर अन्य हितग्राही बकाया लोन की किस्त का भुगतान नहीं कर रहे हैं, जिसके ▶▶| शेष पेज 15 पर

अब अधिकतम 50 हजार तक दी जा रही स्वीकृति

जिले में बकाया 5 करोड़ रुपए लोन की रकम रिकवरी नहीं होने के कारण अब समाज कल्याण विभाग ने स्वावलंबन योजना के तहत जरूरतमंद हितग्राहियों को दिए जाने वाले लोन में भारी कटौती कर दी है। सूत्रों के अनुसार अब अधिकतम 50 हजार रुपए तक ही लोन दिया जा रहा है। इससे अधिक लोन के लिए आवेदन लगाने वालों को या वापस लौटाया जा रहा हैं, या फिर उनके आवेदन डंप कर दिए जा रहे हैं। हालांकि विभाग के अधिकारी ▶▶| शेष पेज 15 पर

हेरोइन चिट्टा सप्लाई लाइन पुलिस ने की ध्वस्त सिंडीकेट का सरगना पंजाब से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कबीर नगर थाने की पुलिस ने एंड टू एंड कार्रवाई करते हुए हेरोइन चिट्टा तस्करी सप्लाई चेन सिंडिकेट के सरगाना सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। सरगना को पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 56.19 ग्राम हेरोइन चिट्टा जब्त किया है। हेरोइन चिट्टा के जिस सरगना को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वह पूर्व में दो बार हेरोइन चिट्टा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है।

- **सरगना के साथ पुलिस ने एक महिला सहित दो को किया गिरफ्तार**
- **आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 56 ग्राम से ज्यादा हेरोइन चिट्टा जब्त किया**

हेरोइन चिट्टा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने पंजाब, गुरुदासपुर निवासी चरणजीत सिंह उर्फ सोनू के साथ वीर सावरकर नगर हीरापुर निवासी रहीना कौर, गुरुसागर नगर आमानाका निवासी करनदीप सिंह मान, आमानाका, गुरुसागर नगर निवासी करनदीप सिंह मान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पंजाब के तस्कर को रहीना तथा करनदीप के निशानदेही पर गिरफ्तार किया है। ▶▶| शेष पेज 15 पर

चिट्टा लाने की फिराक में था, तब पकड़ा गया

चरणजीत का नाम सामने आने पर पुलिस ने पंजाब में अपने मुखबिर तंत्र के माध्यम से चरणजीत के लोकेशन के बारे में जानकारी हासिल की। इसके बाद पुलिस की टीम पंजाब रवाना की गई। पंजाब पहुंचने पर पुलिस को जानकारी मिली कि चरणजीत हेरोइन चिट्टा की बड़ा खेप रायपुर ले जाने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच पुलिस ने चरणजीत के लोकेशन पर दबिश देकर उसके कब्जे से 47 ग्राम हेरोइन जब्त की।

पुराना अपराधी पहले भी पकड़ा जा चुका

पुलिस जांच में सामने आया कि चरणजीत सिंह का आपराधिक रिकार्ड पहले से रहा है। थाना आमानाका में उसे 150 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर छूटने के बाद वह फिर से तस्करी में सक्रिय हो गया। इसके अलावा थाना कबीर नगर में करीब 400 ग्राम व्यावसायिक मात्रा की हेरोइन जब्त होने के मामले में वह फरार चल रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि उसका सगा भाई लवजीत सिंह उर्फ बंटी भी हेरोइन तस्करी में शामिल है। उसे पहले ही टिकरापारा थाना से 450 ग्राम से अधिक हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया जा चुका है और वह वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में है।

हृदय की जन्मजात बीमारी से पीड़ित था मासूम

3 लाख में एक को होने वाली हृदय की दुर्लभ बीमारी, 10 माह के बच्चे की सफल सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विशेष खबर

तीन लाख में एक को होने वाली हृदय की दुर्लभ बीमारी से पीड़ित 10 माह के बच्चे की सफल सर्जरी कर एम्स के डाक्टरों ने जान बचा ली। जन्म के साथ हृदय संबंधी समस्या से पीड़ित यह बच्चा बेहद कमजोर था और मां का दूध पीने के दौरान थक जाता था। अत्यधिक शल्य जोखिम के कारण कई चिकित्सा केन्द्रों में उपचार से मना कर दिया गया था।

एम्स के चिकित्सकों ने बताया कि राजधानी में रहने वाले माता-पिता अपने मासूम बच्चे को लेकर ओपीडी में आए थे। चिकित्सकों की पूछताछ में बताया गया कि मासूम को हृदय संबंधी गंभीर बीमारी है। शहर के कई बड़े अस्पताल ने बच्चे के ऑपरेशन में जोखिम को देखते हुए इलाज से इनकार कर दिया था। यहां के डाक्टरों ने उसकी जांच की, तो पता चला कि उसे एनॉमलस लेफ्ट कोरोनरी आर्टरी फ्रॉम द पल्मोनरी आर्टरी नामक दुर्लभ बीमारी है। इस बीमारी के ▶▶| शेष पेज 15 पर

जटिल विकृतियों में से एक

एम्स के कार्डियोलॉजिस्ट डा. नायक के अनुसार एएलसीएपीए जन्मजात हृदय रोगों में सबसे दुर्लभ और जटिल विकृतियों में से एक है। विश्वभर में केवल कुछ विशेषीकृत केन्द्र ही ऐसे गंभीर रूप से बीमार शिशुओं का उपचार करने में सक्षम हैं। इस बीमारी के दौरान हृदय को पर्याप्त मात्रा ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इससे सांस लेने में कठिनाई, दूध पीते समय जल्दी थक जाना अथवा पसीना आना, कमजोरी जैसी समस्या होती है।

9 दिन बाद अस्पताल से छुट्टी

चिकित्सकों के अनुसार सफल शल्य चिकित्सा के बाद शिशु में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। ऑपरेशन के दूसरे दिन उसे वेंटिलेटर से हटाया गया तथा नौवें पोस्ट-ऑपरेटिव दिन स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस ऑपरेशन को एम्स निदेशक अशोक जिंदल ने मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह सर्जरी संस्थान की उन्नत बाल हृदय शल्य चिकित्सा एवं उच्च जोखिम वाले समग्र कार्डियक उपचार में बढ़ती विशेषज्ञता को दर्शाती है।

खबर संक्षेप

जनजातीय सम्मेलन में हिस्सा लेने दिल्ली गए सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शनिवार देर शाम दिल्ली रवाना हुए। वे रात्रि 11.30 बजे दिल्ली पहुंच कर वहीं रात्रि विश्राम करेंगे। बताया जाता है कि दिल्ली में जनजातीय सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। रविवार को दिल्ली में होने वाले जनजातीय सम्मेलन में प्रदेश के कई मंत्री और भाजपा संगठन से जुड़े लोग पहुंचे हैं। मंत्री केदार कश्यप, रामविचार नेताम, बीजेपी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष विकास मरकाम, विधायक नीलकंठ टेकाम, विधायक आशाराम नेताम, विधायक प्रणव मरपच्ची, सांसद महेश कश्यप, भोजराज नाग, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं। बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ से साढ़े 7 हजार लोग दिल्ली गए हैं।

खाद संकट से रेगहा किसानों की आजीविका खतरे में

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने प्रदेश में उत्पन्न खाद संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि खरीफ सीजन की तैयारी के समय किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे विशेष रूप से छोटे एवं मध्यम किसान गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। एक बयान जारी कर उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक बड़े एवं संपन्न किसान वर्षों से अपने खेत को रेगहा पर देते आ रहे है। छोटे और मध्य वर्ग के किसान उस जमीन को लेकर खेती करते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष खाद की कमी, बढ़ती लागत, सीमित वितरण व्यवस्था तथा नुकसान की आशंका के कारण कई किसान रेगहा खेती से पीछे हटने को मजबूर हो रहे हैं। इससे न केवल किसानों की आय प्रभावित होगी, बल्कि कृषि उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

प्रदेश में अवैध शराब पर कांग्रेस का सवाल, किसकी जेब में जा रहा पैसा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, सुशासन तिहार में मंत्री दयालदास बघेल ने मंच से अवैध शराब बिकने की बात स्वीकार की थी। अब सांसद बृजमोहन अग्रवाल अवैध शराब गली कूचे में बिकने की बात स्वीकार कर रहे हैं। जब से राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, छत्तीसगढ़ अवैध शराब का गढ़ बन गया है। पूरे प्रदेश में बिना होलोग्राम की तथा नकली शराब बिक रही, सरकारी भट्ठियों से बिना होलोग्राम की शराब कोचिये ले जाकर बेच रहे हैं। शराब की काली कमाई का पैसा किसकी जेब में जा रहा है, जनता जानना चाह रही? क्या ईडी, ईओडब्ल्यू इसकी जांच करेंगे? सरकार बताये वो कौन है जो काली कमाई के लिये प्रदेश में अवैध शराब बिकवा रहा है। उन्होंने कहा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल तो रायपुर शहर के मुहल्ले तक बता रहे है कि कहां-कहां पर खुलेआम शराब बिक रही है।

सरकारी वाहनों के ईंधन की बचत करने अब हर फाइल ई-ऑफिस पर, ऑनलाइन बैठकों को बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

वन मंत्री ने कार्यालय के दैनिक प्रशासनिक कार्यों, फाइल संचालन एवं पत्राचार को पूर्णतः ई-ऑफिस प्रणाली से संचालित करने का निर्णय लिया है। पहले जहां विभागों से प्राप्त होने वाली फाइलें अनुमोदन के लिए ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से मंत्री कार्यालय तक पहले से ही पहुंच रही थीं, वहीं अब मंत्री कार्यालय से जारी होने वाली फाइलें, आदेश एवं डाक प्रेषण की प्रक्रिया भी ई-ऑफिस के माध्यम से भेजी जा रही है।

मंत्री कार्यालय का सम्पूर्ण पत्राचार अब डिजिटल माध्यम से संचालित किया जा रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि इस

व्यवस्था का उद्देश्य केवल प्रशासनिक सुविधा बढ़ाना नहीं, बल्कि ईंधन की बचत, अनावश्यक परिवहन में कमी तथा हरित कार्यालय संस्कृति को बढ़ावा देना भी है। फाइलों एवं दस्तावेजों के भौतिक परिवहन में कमी आने से सरकारी वाहनों के उपयोग और विभागीय आवागमन में कमी आएगी, जिससे ईंधन की बचत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी घटेगा।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बैठकों को बढ़ावा, डिजिटल कार्यप्रणाली, ऊर्जा दक्षता तथा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग जैसे कदम शासन को अधिक परिणाममुखी और पर्यावरण अनुकूल बनाएंगे। यह पहल समय की बचत के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को भी मजबूत करेगी।

प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए "मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस" के मंत्र के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार तकनीक आधारित सुशासन की दिशा में आगे बढ़ रही है। शासन का उद्देश्य उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग जनकल्याण, विकास कार्यों एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाने में करना है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में विभागीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। वन मंत्री ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वे ई-ऑफिस एवं मितव्ययिता संबंधी निर्देशों को सकारात्मक सोच के साथ अपनाएं।

सरकार ने कहा- जमा करने की जरूरत नहीं

छत्तीसगढ़ में 3.94 करोड़ लीटर पेट्रोल व 8.09 करोड़ लीटर डीजल का स्टॉक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आम उपभोक्ताओं को घबराकर अतिरिक्त खरीदी या संग्रहण करने की आवश्यकता नहीं है। प्रदेश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है तथा किसानों और आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है।

प्रदेश में वर्तमान समय में 3 करोड़ 94 लाख 7 हजार 700 लीटर पेट्रोल तथा 8 करोड़ 8 लाख 83 हजार लीटर डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। राज्य में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति के लिए कुल 2516 पेट्रोल पंप संचालित हो रहे हैं। खाद्य विभाग के अनुसार रबी फसल की कटाई और खरीफ सीजन की तैयारी के कारण डीजल की मांग में वृद्धि को देखते हुए ऑयल कंपनियों के लखौली और मंदिर हसौद (रायपुर) तथा गोपालपुर (कोरबा) स्थित डिपो से जिलों को लगातार आवश्यकतानुसार आपूर्ति की जा रही है।

रोज जारी है आपूर्ति

गौरतलब है कि 22 मई 2026 को ही प्रदेश को 21 लाख 83 हजार लीटर पेट्रोल और एक करोड़ 29 लाख 75 हजार लीटर डीजल प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही प्रतिदिन नियमित रूप से पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति जारी है।

पंपों को डिपो से तुरंत मिलेगा स्टॉक

खाद्य सचिव ने राज्य में ईंधन की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा के लिए 20 मई 2026 को सभी ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। बैठक में निर्देश दिए गए कि जिन पेट्रोल पंपों में स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन रही हो, वहां डिपो से तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी क्षेत्र में उपभोक्ताओं को परेशानी न हो।

अफवाह और भ्रम से बचें

राज्य शासन ने 22 मई 2026 से प्रदेश के सभी पेट्रोल और डीजल पंपों पर ड्रम और जरीकेन में पेट्रोल-डीजल देने पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि किसानों तथा कलेक्टर द्वारा चिन्हित अत्यावश्यक सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। राज्य शासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह या भ्रम में आकर पैनिक खरीदी अथवा इसका संग्रहण न करें। जरूरत के अनुसार सभी उपभोक्ताओं को पेट्रोल और डीजल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर पर सभी आवश्यक व्यवस्था की गई हैं।

छत्तीसगढ़ में हाईस्पीड डीजल की बिक्री में बेतहाशा वृद्धि, पिछले साल के मुकाबले मई में 25 फीसदी का इजाफा

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता में कमी की अटकलों और अफवाहों के बीच यह खबर चौंकाने वाली है कि राज्य में मई 2026 के दौरान छत्तीसगढ़ में हाई स्पीड डीजल की खुदरा बिक्री में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई। राज्य के कई जिलों में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत से अधिक वृद्धि देखी गई, जबकि कई अन्य जिलों में 10 से 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज हुई। सर्वाधिक वृद्धि बलौदाबाजार, बालोद, सक्ती, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सूरजपुर जिलों में दर्ज की गई। वहीं रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, महासमुंद और रायगढ़ जैसे प्रमुख जिलों में भी डीजल बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हालांकि अभी ये साफ नहीं हो पाया है कि आखिर कौन सी वजह है जिसके कारण हाई स्पीड डीजल की मांग तेजी से बढ़ी है। इसी बीच ये भी चर्चा रही है कि औद्योगिक उपयोग में आने वाला डीजल महंगा होने के कारण कारखाना संचालक आम जनता के उपयोग में आने वाला सामान्य डीजल बड़े पैमाने पर खरीद रहे है।

कंपनियों ने दिलाया निर्बाध आपूर्ति का भरोसा

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति का भरोसा दिलाया है। कंपनियों ने कहा है कि विभिन्न राज्यों में ईंधन की मांग में तेजी से वृद्धि के बावजूद आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू बनी हुई है और 24x7 ऑपरेशन एवं लॉजिस्टिक्स समन्वय के जरिए लगातार सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है।

इस वजह से भी बढ़ी डीजल की मांग

तेल विपणन कंपनियों के अनुसार, हाल के दिनों में कृषि गतिविधियों और फसल कटाई के चलते डीजल की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्र के पेट्रोल पंपों की ओर उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा है। कंपनियों का कहना है कि एहतियात के तौर पर ईंधन की अतिरिक्त खरीद भी देखने को मिल रही है।

प्रशासन के भारी दबाव से कन्हेरावासी हुए आक्रोशित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

धरसींवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत कन्हेरा का मामला सामने आया है, विद्युत विभाग ट्रांसमिशन के लिए जमीन ग्राम कन्हेरा में शासन द्वारा 12 एकड़ जमीन शासन से स्वीकृत करा ली गई है, ग्रामवासियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को बगैर गांव एवं पंचायत के।

इस प्रकार भारी पुलिस फोर्स बुलवाकर जमीन का सीमांकन करने पहुंच गए, गांववालों को सूचना मिलने पर समस्त पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामवासी गांव तथा पंचायत के अनुमति के बगैर सीमांकन का विरोध करने पहुंचे, लेकिन राजस्व विभाग का अमला एवं भारी पुलिस बल लगाकर गांववालों की बग़ैर सुनवाई के नापने पर प्रशासन एवं पुलिस कृत्य का पंचायत प्रतिनिधि एवं समस्त ग्रामवासियों में गुस्सा देखा गया। पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों का कहना था कि बगैर सहमति के जमीन नहीं देंगे। ग्रामीणों का कहना है कि वहां श्मशानघाट है हमारे पूर्वजों का मठ है ,हमारे भविष्य के लिए भी जगह नहीं बची है, इसलिए सुरक्षित रखना चाहते हैं 22एकड़ जमीन को, पर प्रशासन के अधिकारी नहीं माने और महिला सरपंच आश्मीन जांगड़े को बलपूर्वक महिला पुलिस बल द्वारा बलात, जोर जबरदस्ती कर पुलिस बस में बिठा लिया।

साथ ही जनपद सदस्य ईश्वर निषाद को भी बलपूर्वक उठाकर बस में डाल दिए। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों को सीधे सेंट्रल जेल रायपुर लाकर बिठा दिए। पुलिस बुलवाकर प्रशासन द्वारा दबाव डालने से आक्रोशित पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामवासियों द्वारा जेल परिसर में ही प्रदर्शन किया गया।

घटना बर्बरतापूर्ण

पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने इस कार्यवाही को बर्बरतापूर्ण बताते हुए घटना की भर्त्सना की। इस दौरान सरपंच आश्मीन जांगड़े, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा, जिला पंचायत सदस्य हरिशंकर निषाद, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश यादव, जनपद सदस्य ईश्वर निषाद, सुखनंदन जांगड़े, यशवंत भारती समेत समस्त पंच एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन : 8555 योजनाओं का ग्राम पंचायतों द्वारा संचालन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में जल जीवन मिशन के तहत प्रगतिरत 13 हजार 183 योजनाओं को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं 2027-28 में 7352 योजनाओं को पूर्ण किया जाएगा। इस दौरान क्रमशः 22 और 48 समूह जल प्रदाय योजनाओं के काम भी पूर्ण किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अभी 7060 गांव हर घर जल रिपोर्टेड हैं, जिनमें से 6018 गांवों का सत्यापन भी किया जा चुका है। राज्य में 8555 एकल ग्राम नल जल योजनाओं को पूर्ण कर संचालन-संधारण के लिए ग्राम पंचायतों को हैंडओवर किया गया है।

- जल जीवन मिशन 2.0 का बना रोडमैप, तय होगी जवाबदेही, लापरवाही एवं देर पर होगी कार्रवाई

यह जानकारी उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान आई। उन्होंने विभागीय तथा मैदानी अधिकारियों की बैठक लेकर जल जीवन मिशन के कार्यों, नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों की पेयजल योजनाओं एवं प्रदेश में ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जल जीवन मिशन के

कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने आगामी दो वर्षों के रोडमैप पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को मिशन के शेष कार्यों को गंभीरता, सक्रियता और तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, मैदानी स्तर पर काम की गति और पूर्णता से ही केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा कार्यों के लिए राशि जारी की जाएगी। जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को और ज्यादा फोकस एवं बारीकी से करना है।

हैंडपंप में किया गया सुधार

अधिकारियों ने बताया कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंपों के साथ ही अभी 30 हजार 624 सिंगल-फेज पॉवर पंपों, 15 हजार 616 सौर-ऊर्जा संचालित पंपों और 9385 नल जल योजनाओं के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। ग्रीष्म काल में पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने 19 हजार 807 खराब हैंडपंपों को तत्काल सुधारा गया है। गांवों और वनांचलों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति के लिए हैंडपंपों में 31 हजार 664 मीटर राइजर पाइप बदलने के साथ ही 20 हजार 788 मीटर राइजर पाइप बढ़ाए गए हैं।

सहकारिता आधारित योजनाओं से गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "सहकार से समृद्धि" की संकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा नवा रायपुर में पूर्वी क्षेत्र के छह राज्यों की एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में हुई।

कार्यशाला की अध्यक्षता केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने की। इसमें सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बिहार, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ अधिकारी कार्यशाला में शामिल हुए। यह कार्यशाला ग्रामीण विकास, किसानों की आय वृद्धि और सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। सहकारिता आधारित योजनाओं से गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा किसान, पशुपालक और मत्स्य पालक आत्मनिर्भर बनेंगे।

पैक्स को बहुउद्देशीय बनाने पर जोर

डेयरी, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के गठन और सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया गया। देशभर में 2 लाख नई डेयरी, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय पैक्स समितियों के गठन की दिशा में हो रही प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही विश्व की सबसे बड़ी सहकारी अनाज भंडारण योजना के क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

व्यावसायिक विस्तार पर मंथन

कार्यशाला में पैक्स समितियों के बिजनेस डायवर्सिफिकेशन यानी व्यावसायिक विस्तार पर सार्थक चर्चा हुई। अधिकारियों ने पैक्स समितियों को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने पर गहन मंथन किया, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके।

केंद्रीय योजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की पहल पर संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सहकारी संस्थाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ।

ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा

विशेषज्ञों ने बताया कि पैक्स समितियों को केवल ऋण वितरण तक सीमित न रखकर बहुउद्देशीय ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत खाद-बीज वितरण, धान खरीदी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, डेयरी, मत्स्य पालन, वेयरहाउसिंग और ग्रामीण उद्यमिता जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे किसानों और ग्रामीणों को गांव स्तर पर ही बेहतर सुविधाएं और रोजगार के अवसर मिलेंगे।

सार्वजनिक बोर से पानी पीने से रोकने के मामले में राज्यपाल से शिकायत

रायपुर। सामाजिक न्याय अधिकार कार्यकर्ता भगवानू नायक ने पत्थलगांव क्षेत्र में डोम जाति के लोगों को सार्वजनिक बोर से पानी पीने से रोके जाने और जातिसूचक अपमान की घटना को लेकर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन देकर राज्यपाल से शिकायत की है। उन्होंने बताया कि पत्थलगांव अंतर्गत ग्राम-बटूराबहार (हर्रापारा), पोस्ट-घरजियांबथान में घटित जाति भेदभाव से जुड़ी अत्यंत गंभीर घटना संज्ञान में आई है। सोशल मीडिया एवं प्राप्त शिकायत आवेदन के अनुसार ग्राम में निवासरत डोम जाति के लोगों को सार्वजनिक बोर से पानी पीने से रोका जा रहा है। 58 वर्षीय प्रार्थिया फूलवती कान्ड्रा द्वारा 19 मई को थाना पत्थलगांव, जिला जशपुर में प्रस्तुत शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गांव के कुछ उच्च जाति के व्यक्तियों द्वारा डोम जाति कहकर जातिसूचक अपमान किया जा रहा है।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रमांक/ /अ-6/2025-2026 रायपुर, दिनांक-15/05/2026, ग्राम- भाठागांव, प.ह.नं.-60, तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमति योगेश्वरी देवी गोस्वामी,पति- स्व. पूर्णानंद गिरी गोस्वामी, निवासी- जलगृह मार्ग, भगत सिंह चौक, टिकरापारा रायपुर (छ.ग.) तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदिका के पति स्व. पूर्णानंद गिरी गोस्वामी पिता स्व. ईश्वर गिरी गोस्वामी के हक स्वामित्व की भूमि वाके मौजा ग्राम-भाठागांव प.ह.न. 60 रा.नि.म.- रायपुर-13 भाठागांव तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है, जिसका खसरा नंबर- 593/10 रकबा 0.0140 हेक्टेयर है। आवेदिका के पति स्व. पूर्णानंद गिरी गोस्वामी की मृत्यु दिनांक- 27/08/2024 को हो चुकी है जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न है। मृतक स्व. पूर्णानंद गिरी गोस्वामी के विधिक वारिसान- (1) श्रीमति योगेश्वरी देवी गोस्वामी पति स्व. पूर्णानंद गिरी गोस्वामी (2) राजीव गिरी गोस्वामी (3) शरद गिरी गोस्वामी (4) पल्लवी गिरी गोस्वामी पति विक्रम गिरी गोस्वामी पिसरान- स्वः पूर्णानंद गिरी गोस्वामी है जो कि विधिक वारिसान होने के नाते संपत्ति का पूर्ण अधिकार रखते है, इनके अलावा कोई अन्य वारिसान नहीं है। अतः मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर आवेदक वारिसान का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 29/05/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा / आपत्ति दिनांक 29/05/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । आज दिनांक 15/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(मुहर)

नायब तहसीलदार रायपुर (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

सीएम साय ने कोसरंगी धान बीज का किया निरीक्षण, महिला समूह की तारीफ की

निरीक्षण कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री खुशवंत गुरु हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

ग्राम पंचायत कोसरंगी स्थित एलएससी सेंटर परिसर में संचालित अन्नकूट महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के धान बीज संग्रहण एवं विक्रय केंद्र का शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए महिला समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने केंद्र में मौजूद महिला सदस्यों एवं दीदियों से खाद एवं धान बीज विक्रय प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बीज संग्रहण, वितरण व्यवस्था तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में चर्चा करते हुए महिला समूहों के प्रयासों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताया।

महिला किसानों ने मुख्यमंत्री के निरीक्षण को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इससे महिला स्व-सहायता समूहों एवं एफपीओ से जुड़ी महिलाओं का मनोबल बढ़ा है तथा भविष्य में कार्यों को और बेहतर ढंग से संचालित करने की प्रेरणा मिलेगी।

सीएम को स्मृति चिन्ह भेंट किया

निरीक्षण के दौरान अन्नकूट महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं उत्पाद निर्माण कार्यों की भी जानकारी दी गई। कंपनी की ओर से मुख्यमंत्री एवं मंत्री को स्थानीय उत्पाद स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किए गए। इस अवसर पर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायत सीईओ, डीपीएम टीम, जनपद स्तरीय एनआरएलएम टीम, कैडर दीदियाँ तथा कंपनी के सीईओ हर्षवर्धन गुरुगोस्वामी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

भानसोज पीएचसी में जिले में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण

आरंग। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भानसोज में शनिवार को 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। यह टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत भानसोज पीएचसी में जिले में सर्वाधिक 36 किशोरियों का टीकाकरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन बीएमओ डॉ. विजय लक्ष्मी अनंत के निर्देशानुसार किया गया। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.एल. भूआर्य की उपस्थिति में टीकाकरण कार्य संपन्न हुआ। स्वास्थ्य अधिकारियों ने किशोरियों एवं अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व और सर्वाइकल कैंसर से बचाव संबंधी जानकारी भी दी। टीकाकरण अभियान में आरएमए श्री मंजर नवाब खान, सेक्टर सुपरवाइजर एच.सी. ध्रुव, एलएचवी पी. कर्मकार, समस्त सीएचओ, आरएचओ एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ ने सक्रिय सहभागिता निभाई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभियान को सफल बनाने में क्षेत्र की मितानिनों का विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग से किशोरियों को जागरूक कर टीकाकरण केंद्र तक पहुंचाया गया।

खाद-डीजल की किल्लत से किसान हैं बेहद परेशान

तरपोंगी। किसान नेता व पूर्व जिला पंचायत कृषि सभापति राजू शर्मा ने कहा कि खेती की तैयारियों में जुटे किसानों को इस बार भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान खाद की अनुपलब्धता को लेकर बेहद चिंतित हैं। सहकारी समितियों (सोसायटी) में प्रत्येक किसान को केवल 70:30 के अनुपात में ही खाद का कोटा जारी किया जा रहा है। यह बेहद कम मात्रा में मिल रहा है, जो किसानों के लिए 'ऊँट के मुँह में जीरा' के समान है। इतनी कम मात्रा से खेती कर पाना असंभव हो रहा है। समितियों में मानक दर पर तो खाद मिल रहा है, लेकिन नियमों के अनुसार यदि कोई किसान निजी दुकानों से खाद खरीदता है, तो उसे समिति से खाद नहीं दिया जाएगा। इस नियम की स्पष्ट जानकारी न होने के कारण भी किसानों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। शर्मा ने आगे कहा कि खाद के साथ-साथ डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि भी खेती को घाटे का सौदा बना रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की इन ज्वलंत समस्याओं का जल्द निराकरण नहीं किया गया, तो किसान उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

आरंग। नगर पालिका परिषद आरंग के वार्ड क्र 07 के पार्षद समीर सागीर गोरी ने केंद्र सरकार से गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की है। श्री गोरी ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति, आस्था एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। करोड़ों लोगों की भावनाएं गौ माता से जुड़ी हुई हैं। गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा मिलने से न केवल भारतीय संस्कृति का सम्मान बढ़ेगा, बल्कि सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को भी बल मिलेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए जल्द से जल्द गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए।

निधन

संजय कुमार भोजवानी

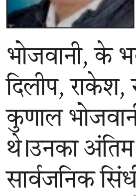

तिल्दा नेवरा। तिल्दा सिंधी समाज के युवा समाजसेवी कांग्रेस कमेटी के जिला महामंत्री संजय भोजवानी 52 साल का शनिवार को असमायिक निधन हो गया। वे डा.चंद्रपाल भोजवानी के पुत्र, भीमसेन भोजवानी, विजय भोजवानी, के भतीजे मुकेश, दिलीप, राकेश, रवि, के भाई तथा कुणाल भोजवानी के पिता थे।उनका अंतिम संस्कार सार्वजनिक सिंधी शमशान घाट में किया गया।उनकी अंतिम यात्रा बड़ी संख्या मे लोग शामिल हुए ।

पौधारोपण के नाम पर लाखों खर्च पर जंगल बचाने के लिए एक टैंकर तक नहीं

खपरी मढ़ी के जंगल में आग का तांडव ढाई सौ एकड़ की हरियाली हुई बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूंरा

धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के खपरी मढ़ी (बंजारी) के पास स्थित वन मंडल के पुराने जंगल में शनिवार को भीषण आग लग गई। लगभग ढाई सौ एकड़ के घने जंगल में दोपहर को भड़की चिंगारी ने देखते ही देखते महाप्रलय का रूप ले लिया। कुछ ही मिनटों में लपटें पूरे जंगल में फैल गई और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। भीषण आग ने ऐसा तांडव मचाया कि, धू-धू कर मानों प्रकृति चीख पड़ी। सूखी पत्तियों और बेकाबू हवाओं के बीच लपटें ऐसी उठीं कि लगा जैसे पूरा जंगल निगल जाएंगी। दूर तक आग का खौफनाक मंजर साफ दिख रहा था।

नए पौधे खाक और पुराने पेड़ झुलसे : भीषण आग से कई पुराने और नए पौधे देखते ही देखते खाक हो गए। कई पुराने पेड़ झुलस गई और रात तक धुआं निकलता रहा। आग ने जंगल की हरियाली कुछ ही घंटों में श्मशान में बदल दी। जमीन पर केवल काले राख ही शेष रहा गया है। गनीमत रही कि बड़े पेड़ों को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, अन्यथा जंगल पूरी तरह जलकर राख हो जाता। इधर, जंगल धू-धू कर जलता रहा और वन विभाग कुंभकर्णी नींद में सोता रहा। यहां काम करने वाले मजदूरों ने बताया कि, लगभग सुबह लगभग 11 बजे आग लगे देखा तो हम लोग गाड़ी छोड़कर जान बचाकर भागे। इधर, सूचना के बाद भी विभाग के अधिकारी 3:30 बजे पहुंचे। तब-तक सब स्वाहा हो चुका था। 4 घंटे तक पूरा वन मंडल लावारिस पड़ा रहा। अगर आसपास की निजी कंपनियों की दमकलें देवदूत बनकर न पहुंचतीं, तो आज क्षेत्र का ये फेफड़ा पूरी तरह खत्म हो जाता। निजी कंपनियों के फायर ब्रिगेड गाड़ियों के कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर आग से जंग लड़ी। सरकारी तंत्र फेल हुआ तो कॉरपोरेट ने जंगल बचाया। बाद में शाम को रायपुर से अग्निशामक दमकल की गाड़ियां पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद शाम तक आग पर काबू पाया गया। लेकिन धुआं उठना पूरी तरह बंद नहीं हुआ था।

घंटों की मशक्कत पर बुझी आग

सवाल है आग लगी कैसे, किसी की शरारत से या स्वतः ही यह अब भी जांच का विषय है। क्योंकि जंगल के चारों ओर बड़ी-बड़ी कंपनियां है। इसलिए इस पर जांच होनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने कहा कि, असली आग तो सिस्टम में लगी है। ढाई सौ एकड़ का जंगल 4 घंटे तक बेसहारा जलता रहा। हर साल पौधरोपण पर करोड़ों फूंकने वाला वन विभाग एक जंगल नहीं बचा पाया। अब सवाल ये है कि क्या हर बार निजी कंपनियां ही छत्तीसगढ़ की हरियाली बचाएंगी ? या वन विभाग की कुंभकर्णी नींद टूटेगी ? जवाब का इंतजार क्षेत्र के जनता को है। बता दें कि, गर्मी अपने चरम पर थी। तापमान 42 डिग्री के पार थी। पछुआ हवा ने आग में घी का काम किया। जंगल में बिछी सूखी पत्तियों ने चिंगारी को लपटों में बदल दिया। चंद मिनटों में ही आग ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। वन विभाग की टीम आई तब तक आग 200 एकड़ से ज्यादा इलाका निगल चुकी थी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इन कंपनियों के फायर फाइटर्स ने वनकर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आग बुझाई। करीब 7 घंटे की जद्दोजहद के बाद शाम को आग पर काबू पाया गया। इधर, आग की लपटें और धुएं का गुबार देख राहगीर भी कांप उठे। लोगों ने कहा कि हर साल पौधरोपण के नाम पर लाखों खर्च होते हैं, पर जंगल बचाने के लिए एक टैंकर तक नहीं है।

विभागीय कार्रवाई मात्र है खानापूर्ति धरसींवा में खनिज माफिया बेखौफ

धरसींवा। जनपद पंचायत धरसींवा के अंतर्गत इन दिनों भारी पैमाने पर अवैध मुरम उत्खनन का काला कारोबार धड़ल्ले से फल-फूल रहा है। शासकीय नियमों और पर्यावरण के कायदों को ताक पर रखकर माफिया द्वारा क्षेत्र की जमीनों का सीना बेदर्दी से चीरा जा रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे अवैध खेल को 'तालाब गहरीकरण और निर्माण' की आड़ में अंजाम दिया जा रहा है। हद तो तब हो गई जब केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'अमृत सरोवर योजना' को भी इस अवैध कमाई का जरिया बना लिया गया। इस योजना के तहत निर्धारित मापदंडों को ताक पर रखकर बेरतीब ढंग से खुदाई की जा रही है और तालाब सुधारने के नाम पर कीमती मुरम की तस्करी कर करोड़ों का वारा-न्यारा किया जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा सैकड़ों की संख्या में शिकायतें और आवेदन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी गहरी नींद में सोए हुए हैं।

धरसींवा क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर प्रशासन की दिखावे की कार्रवाई, ग्रामीणों ने बताया 'महज खानापूर्ति':- प्रशासनिक टीम ने नगर पंचायत कुरा के ठिकाने पर दबिश देकर चार ट्रक और दो चैन माउंटेन मशीनें जब्त कीं। वहीं ग्राम पंचायत कुथरेल में यदु कंस्ट्रक्शन के अवैध गढ़ पर कार्रवाई करते हुए महज एक चैन माउंटेन मशीन को खड़ा कराया गया, जबकि ग्राम पंचायत निनवा में एसआरटी कंस्ट्रक्शन के स्थल पर टीम ने सिर्फ एक हाइवा जब्त करने की कार्रवाई की पर माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। प्रबुद्ध नागरिकों और ग्रामीणों कहा कि यह पूरी कार्रवाई सिर्फ और सिर्फ 'खानापूर्ति' और रस्म अदायगी है। जिस धरसींवा क्षेत्र में दिन-रात सैकड़ों भारी वाहन और मशीनें अवैध रूप से प्रकृति का दोहन कर रही हैं। प्रशासन की इस ढर्रेबाज़ी और सुस्ती से आक्रोशित ग्रामीणों ने जल्द ही एक बड़े उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

खाद संकट से रेगहा खेती संकट में छोटे और मंझोले कृषक हैं परेशान

हरभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने प्रदेश में उत्पन्न खाद संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि खरीफ सीजन की तैयारी के समय किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे विशेष रूप से छोटे एवं मध्यम किसान गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक बड़े एवं संपन्न किसान वर्षों से अपने खेत को रेघहा पर देते आ रहे है।

उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है : छोटे और मध्य वर्ग के किसान उस जमीन लेकर खेती करते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष खाद की कमी, बढ़ती लागत, सीमित वितरण व्यवस्था तथा नुकसान की आशंका के कारण कई किसान रेघहा खेती से पीछे हटने को मजबूर हो रहे हैं। इससे न केवल किसानों की आय प्रभावित होगी, बल्कि कृषि उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। श्री साहू ने कहा कि पहले किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो जाती थी, जिससे वे अपनी खेती के साथ अतिरिक्त भूमि लेकर भी खेती कर लेते थे। वर्तमान में खाद की उपलब्धता सीमित होने, वितरण में प्रतिबंध और बाजार में महंगी दरों पर खाद मिलने की शिकायतों ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खाद संकट के कारण खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि फसल से होने वाली आय को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं कराई गई तो प्रदेश में खरीफ फसलों का रकबा प्रभावित हो सकता है तथा कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। राज्य सरकार से मांग करते हुए धनेंद्र साहू ने कहा है कि किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तत्काल पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, वितरण व्यवस्था को सरल बनाया जाए तथा कालाबाजारी और कृत्रिम संकट पैदा करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके और प्रदेश की कृषि व्यवस्था सुरक्षित रह सके।

चिचोली के समर कैंप में नौ गांवों के 351 बच्चों की प्रतिभा झलकी

हरभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

- बच्चों ने पेपर क्राफ्टिंग, पत्तों से आकृति निर्माण, कठपुतली बनाना, मिट्टी से खिलौने तैयार करना आदि कलाएं सीखी

अदाणी फाउंडेशन की उत्थान परियोजना के तहत तिल्दा विकासखंड के ग्राम चिचोली में आयोजित आठ दिवसीय समर कैंप का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर में आसपास के 9 गांवों के कुल 351 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समर कैंप में चिचोली, गैतरा, रायखेड़ा, भाटापारा, ताराशिव, कोनारी, खम्हारिया, खपरी एवं छतौद गांवों के बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ अदाणी पावर लिमिटेड रायपुर के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कैंप के उद्घाटन अवसर पर ग्राम पंचायत चिचोली की सरपंच श्रीमती रामप्यारी ध्रुव, उपसरपंच प्रतिनिधि श्री राजकुमार बंजारे एवं पंचगण उपस्थित रहे। दूसरे दिन ग्राम ताराशिव के सरपंच प्रतिनिधि श्री मनीष वर्मा ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह में ग्राम पंचायत गौरखेड़ा के सरपंच प्रतिनिधि श्री रोशन यादव एवं केवतरा के सरपंच श्री गोविंद कुर्रे विशेष रूप से मौजूद रहे। समर कैंप के दौरान बच्चों ने शैक्षणिक, रचनात्मक और खेलकूद गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई। बच्चों ने पेपर क्राफ्टिंग, पत्तों से आकृति निर्माण, कठपुतली बनाना, मिट्टी से खिलौने तैयार करना, "कबाड़ से उपयोगी वस्तु" बनाना, पक्षियों के लिए घर एवं फीडर निर्माण, पेन स्टैंड बनाना, पेंटिंग और मास्क मेकिंग जैसी गतिविधियों के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इसके अलावा डांस, गीत, अभिनय, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, मानसिक गणित, मानचित्र गतिविधि और "मेरा विचार" चर्चा कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। वहीं खेलकूद गतिविधियों में रिले रेस, बैलून रेस, बॉटल पकड़, मेंढक दौड़ और बॉल पास जैसे मनोरंजक खेल शामिल रहे, जिनसे बच्चों में टीम भावना और सहभागिता की समझ विकसित हुई। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अतिथियों ने समर कैंप की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण बच्चों के व्यक्तित्व विकास और सामाजिक समझ को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तिल्दा नेवरा में स्वच्छता को लेकर बड़ी पहल, कचरा पृथक्करण और स्वच्छता पर जोर

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी निष्पादन पर पालिका की बैठक में की गई चर्चा

हरभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

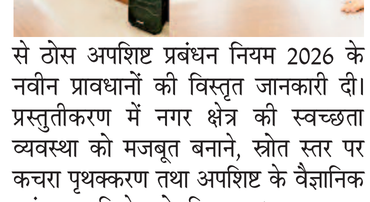

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जन-जागरूकता अभियान को लेकर नगर पालिका कार्यालय के सभा कक्ष में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा सहित समस्त पार्षद, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी तथा एमआरएफ सेंटर में कार्यरत स्व-सहायता समूह की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

बैठक के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के नवीन प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण में नगर क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने, स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण तथा अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में बताया गया कि अब प्रत्येक नागरिक एवं प्रतिष्ठान के लिए गीला और सूखा कचरा, सैनिटरी वेस्ट तथा हार्मफुल वेस्ट को चार अलग-अलग श्रेणियों में पृथक संग्रहित करना अनिवार्य होगा। घरेलू, व्यावसायिक एवं संस्थागत स्तर पर कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित करने के साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक एवं खुले में कचरा फेंकने पर प्रतिबंध लगाने की जानकारी भी दी गई।

नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने एवं नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं होटल, रेस्टोरेंट, बाजार और बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए विशेष स्वच्छता दायित्व निर्धारित किए गए हैं। जैविक अपशिष्ट के कम्पोस्टिंग और रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के साथ एमआरएफ सेंटर के माध्यम से पुनर्चक्रण योग्य कचरे के वैज्ञानिक निष्पादन की व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा हुई।बैठक में नगर क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं स्व-सहायता समूह की सदस्याओं से अपील की कि वे आम नागरिकों को स्वच्छता एवं कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूक करें और स्वच्छ एवं सुंदर तिल्दा नेवरा के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं।बैठक के अंत में सभी उपस्थितजनों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी पालन तथा स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन के रूप में संचालित करने का संकल्प लिया।

पेज 13 के शेष...

आंबेडकर अस्पताल में ....

खुजली या सूजन जैसी समस्या होती है। इसके अलावा सन बर्न की शिकायत काफी ज्यादा सामने आती है। गर्मी बढ़ने के साथ आंबेडकर अस्पताल के विभिन्न विभाग में मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है जिसमें त्वचा रोग यानी डर्मेटोलॉजी विभाग भी शामिल है। चिकित्सकों के मुताबिक आने वाले मरीजों में ज्यादातर को सनबर्न यानी शरीर झुलसने जैसी शिकायत लेकर आ रहे हैं। मरीजों को उनकी समस्या के अनुसार दवा के साथ बचाव की नसीहत भी दी जा रही है।

खम्हारडीह रोटरी फेल ....

के विधायक पुरंदर मिश्रा के निर्देश पर विशाल रोटरी को यहां से हटाया गया। अब 18 जंक्शन प्रोजेक्ट में इस तरह की गलती दोबारा न हो इसके लिए रायपुर नगर निगम और ट्रैफिक विभाग मिलकर जल्द दोबारा सर्वे करेंगे। सूत्रों के जिन तीन स्थानों पर चौराहा की दशा सुधारने का काम शुरू किया गया था वहां भी रिवाइज सर्वे के बाद नए सिरे से काम शुरू होगा।

18 चौराहों में ट्रैफिक व्यवस्था सुगम बनाने इस तरह होगा काम

0 फ्री लेफ्ट टर्न

0 आवश्यकता अनुसार रोटरी निर्माण

0 डिवाइडर में सुधार

0 सड़क यातायात में बाधक बन रहे स्ट्रीट पोल, बिजली के ट्रांसफार्मर को वहां से हटाकर सुरक्षित जगह पर शिफ्टिंग

0 दिशा सूचक बोर्ड, शेड तथा आइसलैंड का निर्माण ।

इन स्थानों का ....

0 लाखे नगर चौक

0 लोधीपारा अवंति बाई चौक

0 महिला थाना चौक

0 राजीव गांधी मूर्ति के पास, सुभाष स्टेडियम चौक

0 तेलीबांधा थाना के पास मेक इन इंडिया स्कॉवयर

0 शास्त्री चौक, शारदा चौक

किस्त पटाना बंद, ...

कारण अब जरूरतमंदों को भी लोन नहीं मिल पा रहा है। विभाग में ऐसे कई आवेदन डंप पड़े हुए हैं, जो लोन नहीं मिलने से स्वरोजगार भी थापित नहीं कर पा रहे हैं।

समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना के तहत दिव्यांजनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक लोन दिया जाता है। यह लोन काफी कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाता है, ताकि हितग्राहियों पर लोन और किस्त पटाने में आर्थिक रूप से ज्यादा बोझ न पड़े।प्रदेश में जब से यह योजना शुरू हुई है, तब से लेकर अब तक रायपुर जिले में इस योजना के तहत कुल 196 दिव्यांग हितग्राहियों को लोन दिया है। लोन की राशि अलग-अलग है, जो 50 हजार से लेकर 10 लाख के ऊपर है। लोन लेने के बाद शुरूआती महीनों में हितग्राहियों ने लोन की किस्त अदा करते रहे, लेकिन बाद में किस्त पटाना ही छोड़ दिए। इनमें कई हितग्राहियों ने कुल लोन का 25 प्रतिशत भी भुगतान नहीं किए हैं। हालांकि इनमें ज्यादातर हितग्राही कोविड कॉल से लोन की किस्त पटाना बंद कर दिए हैं।

49 प्रकरण में आरआरसी जारी

विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार लोन नहीं पटाने वाले 158 हितग्राहियों में जिन पर लाखों रुपए लोन बकाया है। उनमें से 58 हितग्राहियों के विरुद्ध विभाग ने आरआरसी भी जारी किया है। इसके तहत विभाग ने संबंधित क्षेत्र के तहसील कार्यालय को पत्र लिखकर हितग्राहियों से लोन की रकम वसूली के लिए पत्र लिखा है। इसके तहत तहसील द्वारा अब इन बड़े लोन हितग्राहियों की संपति कुर्क कर रिकवरी की जानी है, लेकिन अब तक यह कार्रवाई भी नहीं की गई है। इसके कारण लोन की रकम भी रिकवरी नहीं हो पाई है।

वर्जन

5 करोड़ लोन बकाया

158 हितग्राहियों पर लगभग 5 करोड़ रुपए लोन बकाया है। नोटिस के बाद कई हितग्राहियों ने लोन पटाना शुरू किया है। रिकवरी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। 49 हितग्राहियों के विरुद्ध आरआरसी भी जारी की है।

5 करोड़ लोन बकाया

158 हितग्राहियों पर लगभग 5 करोड़ रुपए लोन बकाया है। नोटिस के बाद कई हितग्राहियों ने लोन पटाना शुरू किया है। रिकवरी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। 49 हितग्राहियों के विरुद्ध आरआरसी भी जारी की है।

- अरविंद गेडाम, जिला अधिकारी, समाज कल्याण विभाग

अब अधिकतम 50 ....

का कहना है कि अभी तक उनके पास लगभग 5-6 आवेदन ही आए हैं। इनमें भी 10 से 50 हजार रुपए तक लोन की मांग की गई है।

हेरोइन चिट्टा सप्लाई ....

44 प्रकरणों में 83 आरोपी गिरफ्तार - पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद रायपुर पुलिस ने पश्चिम जोन में एनडीपीएस एक्ट के कुल 44 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें अब तक 83 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है, ताकि रायपुर में सक्रिय अन्य पैडलरों और नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान की जा सके।

3 लाख में ....

इलाज के लिए सर्जरी आवश्यक थी। इसके लिए कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी, कार्डियोलॉजी, कार्डियक एनेस्थीसिया, रेडियोलॉजी तथा पीडियाट्रिक्स विभागों के विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम बनाकर सर्जरी की गई। चिकित्सकों के अनुसार बच्चे की हृदय कार्यक्षमता अत्यंत गंभीर रूप से प्रभावित थी, जिसकी वजह से ऑपरेशन के दौरान जोखिम काफी अधिक था। जटिल पेरीऑपरेटिव एवं एनेस्थीसिया प्रबंधन का नेतृत्व डा. सुब्रता सिंह और उनकी टीम ने किया। ऑपरेशन के बाद के पहले 24 घंटे अत्यंत महत्वपूर्ण रहे, जिनमें गहन बहुविषयक निगरानी एवं उपचार की आवश्यकता पड़ी।

गुढ़ियारी सड़क चौड़ीकरण मुआवजा मामले में प्रभावितों के चेक बाउंस

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राजधानी के गुढ़ियारी इलाके के सड़क चौड़ीकरण प्रकरण में नया मोड़ आया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जिन दर्जनभर से ज्यादा प्रभावितों को मुआवजे के चेक दिए गए थे, वे बैंक में बाउंस हो गए। प्रभावितों को अब दोबारा 25 मई को बैंक में जमा करने के लिए कहा गया है। इस बात को लेकर प्रभावित भौंचक हैं। 12 दिन पहले लोक निर्माण विभाग ने 26 लोगों की जमीन की रजिस्ट्री शासन के नाम करवाई थी। इसमें से 12 लोगों का चेक क्लीयर हो गया, बाकी के 14 लोगों के चेक बैंक से वापस आ गए। गुढ़ियारी पहाड़ी चौक से महादेव मंदिर तक करीब डेढ़ किलोमीटर तक सड़क चौड़ीकरण होना है। दरअसल, गुढ़ियारी रोड सड़क चौड़ीकरण के मुआवजे का भुगतान का चेक बाउंस हो गया है।

26 जमीन मालिकों जिनकी रजिस्ट्री शासन और लोक निर्माण विभाग ने कराई थी, उनमें से 12 लोगों के मुआवजा संबंधी चेक क्लीयर हुए, पर 14 लोगों को दिए गए चेक बैंक में बाउंस हो गए। इनमें से किसी का 38 लाख तो किसी का 45 लाख, इस तरह अलग-अलग राशि का बैंक चेक वापस आ गया।

लोक निर्माण विभाग ने 25 मई को दोबारा जमा करने कहा

- दर्जनभर से ज्यादा प्रभावितों को मुआवजा का चेक, बैंक में बाउंस हो गए
- कांग्रेस शहर अध्यक्ष श्रीकुमार-शंकर मेनन ने कहा, इससे शर्मनाक स्थिति और क्या हो सकती है?

प्रभावितों ने ये कहा

बारह दिन पहले जमीन की रजिस्ट्री कराई थी, मुआवजे का चेक दिया गया जो बैंक से बाउंस होकर वापस आ गया है। अधिकारी 25 तारीख को चेक लगाने बोल रहे हैं।
गोपाल यादव, प्रभावित नागरिक

चेक बाउंस होना शर्म की बात

गुढ़ियारी सड़क चौड़ीकरण में मुआवजा भुगतान का चेक बाउंस हो गया। 26 जमीन मालिकों जिनकी रजिस्ट्री शासन और लोक निर्माण विभाग में कराई थी, उनमें से 14 लोगों के चेक बाउंस हो गए। उससे शर्मनाक स्थिति सरकार के लिए क्या हो सकती है? लोगों ने अपनी जमीन सड़क चौड़ीकरण के लिए दी और आज इतने दिनों बाद उनका चेक सरकार ने दिया, वो भी बाउंस हो जा रहा है। यह स्थानीय विधायक के लिए शर्म की बात है, साथ ही सरकार और लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है।
- श्रीकुमार-शंकर, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष

बैंक क्लीयरेंस में चेक भेजा था, मंडे को होगा क्लीयर

गुढ़ियारी सड़क चौड़ीकरण मुआवजा मामले में प्रभावितों को दिए गए चेक बैंक क्लीयरेंस में गए थे, मंडे को क्लीयर हो जाएगा।
- राजेश नशीने, कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग

12 मई को हुई रजिस्ट्री, चेक वापस पैसा नहीं आया लक्ष्मण हेमानी

गुढ़ियारी निवासी लक्ष्मण हेमानी ने बताया कि 12 मई को हमारी जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। गुढ़ियारी सड़क चौड़ीकरण में 26 लोगों की जमीन की रजिस्ट्री लोक निर्माण विभाग के माध्यम से कराई गई। इसमें से जिन प्रभावितों के चेक का लास्ट थ्री नंबर 300 तक था, उनके चेक बैंक से क्लीयर हो गए, पर इसके आगे के नंबर वाले 14 लोगों का चेक वापस आ गया। अब कह रहे सोमवार को दोबारा चेक लगाना है।

खबर संक्षेप

सीएम से मिले छग सिविल सोसाइटी के पदाधिकारी

रायपुर। राजधानी स्थित निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ सिविल सोसायटी के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मदिवस 19 फरवरी को प्रदेश में स्वराज दिवस के रूप में घोषित करने की मांग संबंधित करीब 5 हजार लोगों के हस्ताक्षर सहित आवेदन सौंपे। पदाधिकारियों ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के महान योद्धा और स्वतंत्रता सेनानी रहे। उन्होंने मुगल साम्राज्य के खिलाफ लड़कर हिंदवी स्वराज की स्थापना की तथा भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक योद्धा ही नहीं थे, बल्कि एक महान प्रशासक और विजनरी भी थे। उन्होंने एक मजबूत और स्वतंत्र भारत का सपना देखा था। श्री शिवाजी महाराज हमारे लिए हमेशा ही प्रेरणास्रोत हैं।

राहगीरों को बांटी ठंडी छाछ

रायपुर। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में राहगीरों, श्रमिकों और आम जनता को लू और डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए ठंडी छाछ का वितरण किया गया। यह वितरण पूज्य सिंधी पंचायत देवेंद्र नगर के पदाधिकारियों ने शनिवार को किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष सोनू साधवानी, महासचिव राजकुमार सोनी, सचिव अल्पेश पोपटानी, संरक्षक सुंदरदास जादवानी, गोविंद मंशारामानी, चन्द्रकुमार संतवानी, हरेश गोकलानी, रितेश वाधवा, जीतू बजाज, कैलाश बड़वानी, गुंजन पंजवानी, हिना मोटवानी एवं अन्य सदस्य शामिल थे।

निधन

प्रवीण सालोमान

रायपुर। राजातालाब निवासी सीएसईबी से सेवानिवृत प्रवीण सालोमान (62) का 23 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 24 मई को दोपहर 4 बजे निवास स्थान से अरविंद नगर टिकरापारा सेंट पॉल्स प्रभु वाटिका के लिए निकलेगी। वे विलियम सालोमान एवं स्व. आईडी सालोमन के पुत्र व मधुलिका मसीह, स्व. एड. निपुण सालोमन के भाई, निहारिका, प्रियंका व प्रिंजल, प्रिन्स के पिता थे।

इंदू खेलकर

रायपुर। शुक्रवारी बाजार, गुढियारी निवासी इंदू खेलकर (73) का 23 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 24 मई को निवास स्थान से कोटा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे स्व. मुरली खेलकर की पत्नी और सुनील खेलकर, विद्या मोते की माता थीं।

जयंती पटेल

रायपुर। सारागांव के ग्राम खौना निवासी जयंती पटेल (92) का 23 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम खौना के मुक्तिधाम में किया गया। वे चंद्रकांत, संतराम पटेल की माता और दुर्गेश, तरुण की दादी थीं।

भूषण किशोर कपिल

रायपुर। रावतपुरा फेस-2 मठपुरैना निवासी पुलिसकर्मी भूषण किशोर कपिल (42) का 23 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार उनके गृहग्राम जिदार मैनपुर जिला गरियाबंद में किया जाएगा। वे बिकेश्वरी कपिल के पति एवं गिरीश, विनीता के पिता थे।

महापौर मीनल चौबे के आदेश की अनदेखी, गाड़ी का कूड़ा हवा में उड़कर सड़क पर

रामकी के सफाई वाहनों में ग्रीन नेट नदारद, सड़क में बिखर रही गंदगी, राहगीर से लेकर दोपहिया चालक परेशान

- *कचरा कलेक्शन कार्य के लिए रामकी कंपनी ने लगाए 269 सफाई वाहन*

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन को लेकर कम नहीं हो रही शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

शहर की सफाई का ठेका लेने वाली रामकी कंपनी के सफाई वाहन इन दिनों बिना ग्रीन नेट कवर किए घरों व दुकानों का कचरा सेकंडरी पाइंट तक पहुंचा रहे हैं, जिससे गाड़ी में भरकर ले जा रहा कूड़ा हवा के झोंकों के साथ सड़क पर चल रहे राहगीरों, दोपहिया चालकों पर जा रहा है। गंदगी और बदबूदार कचरा सड़क पर बिखरने से शहर की स्वच्छता प्रभावित हो रही है, साथ ही लोगों को इससे खासी परेशानी उठानी पड़ रही है, जबकि रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे ने रामकी प्रबंधन को स्पष्ट रूप आदेशित किया है, सभी सफाई वाहनों में ग्रीन नेट अनिवार्य रूप से लगाया जाए। इसके बाद भी अधिकतर सफाई वाहनों में ग्रीन नेट नहीं लगाया जा रहा है। नगर निगम के दस जोन स्थित 70 वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कार्य के लिए रामकी कंपनी ने 269 सफाई वाहन लगाए हैं। नियम अनुसार सभी सफाई वाहनों में पर्यावरण सुरक्षा के लिहाज से ग्रीन नेट लगाना अनिवार्य है। लेकिन रामकी प्रबंधन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है, इसके कारण सफाई वाहन के चालक और सहायक बिना ढकी गाड़ियों में शहर भर का कूड़ा एक छोर से दूसरे छोर धड़ल्ले से ले जा रहे हैं। तेज हवा चलने और सफाई वाहन की रफ्तार तेज होने से सफाई वाहन में रखा कूड़ा गलियों से होकर सड़क तक बिखरते रहता है। इसकी शिकायत लोगों ने निगम मुख्यालय में भी की है।

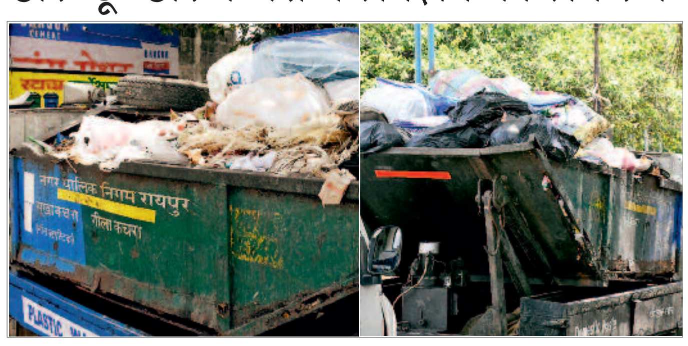

गंभीरता से लेंगे

रामकी के सभी वाहनों में ग्रीन नेट लगाकर उसे कवर्ड करने निर्देश दिए गए हैं, इसकी अनदेखी की शिकायत मिल रही इसे गंभीरता से लिया जाएगा। जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ और शहर की स्वच्छता में लापरवाही सहन नहीं किया जाएगा।
- मीनल चौबे, महापौर नगर निगम रायपुर

नियमित नहीं चल रही सफाई गाड़ी

रामकी कंपनी के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त होने के बाद भी शहर के कई इलाकों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने सफाई वाहन नियमित रूप से नहीं आ रहे। इससे लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कुछ रहवासी इलाकों में लोगों की शिकायत है कि सफाई वाहन निर्धारित समय पर नहीं आ रहा, एक से दो दिन के अंतराल में कचरा कलेक्शन किया जा रहा है। इस बारे में शिकायत करने पर संबंधित सफाई वाहन के हेल्पर और वाहन चालक लोगों से दुर्व्यवहर कर रहे हैं।

शाम 7 बजे भी राजधानी में 40 डिग्री का टार्चर

चल रही ग्रीष्म लहर, राहत की कोई गुंजाइश नहीं

- *शनिवार को सबसे गर्म नांदगांव, दुर्ग भी गर्मी से झुलस रहा*
- *उत्तर-पश्चिम की गर्म हवा का लगातार हो रहा आगमन*

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

समूचा छत्तीसगढ़ ग्रीष्म लहर के चपेट में है। हालात यह हैं कि दोपहर में 44 डिग्री से ज्यादा की गर्मी से झुलस रहे राजधानी के लोग शाम सात बजे भी 40 डिग्री का टार्चर सह रहे हैं। भीषण गर्मी की मार से अभी बड़ी राहत मिलने की संभावना नहीं है। शनिवार को प्रदेश में सबसे गर्म राजनांदगांव रहा और दुर्ग भी गर्मी से झुलसता रहा है। राज्य में उत्तर-पश्चिम की गर्म हवा का प्रदेश में लगातार आगमन हो रहा है।

प्रदेश में अभी गर्मी जमकर कहर बरपा रही है और इससे अभी चार-पांच दिन राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। सूरज चढ़ने के साथ बढ़ने वाली गर्मी देर रात तक कोई कोर कसर बाकी नहीं रख रही है। राजधानी रायपुर में तापमान सुबह 11 बजे ही अपना असर दिखाना शुरू कर देता है और रात दो-तीन बजे के बाद ही इससे राहत मिलती नजर आती है। शाम चार बजे के बाद धूप भले ही कमजोर हो जाती है, मगर पूरी तरह तप चुकी धरती और गर्म हवा के असर से शाम सात बजे के बाद ही तापमान 40 डिग्री से नीचे जा पाता है। शनिवार को रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में ग्रीष्मलहर के हालात बने रहे। शासकीय दफ्तरों में अवकाश होने और कड़ी धूप की वजह से शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। एक उत्तर दक्षिण द्रोणिका दक्षिण पश्चिम विहार से उत्तर तटीय आंध्रप्रदेश तक छत्तीसगढ़ तक विस्तारित है।

प्रमुख शहरों के तापमान

शहर	अधिकतम	अंतर
रायपुर	44.3	+1.8
माना	44.5	+2.2
बिलासपुर	44.5	+0.8
पेंड्रा	41.6	+2.0
अंबिकापुर	41.7	+1.8
जगदलपुर	43.1	+4.9
दुर्ग	45.0	+1.6
राजनांदगांव	46.0	+2.0

10 दिन बाद घर-घर कचरा उठाने पहुंचे सफाई कर्मी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राजधानी रायपुर के जोन-10 अंतर्गत महावीर नगर इलाके के कई कालोनियों में 10 दिनों से घर-घर कचरा उठाने वाले सफाई गाड़ी नहीं पहुंची थी, जिसके कारण लोगों के घरों में कचरे का ढेर लग गया था। इस बीच कई बार लोगों ने वार्ड पार्षद से लेकर नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों से शिकायत भी की। इसके बाद भी कालोनियों में कचरा की गाड़ी नहीं आ रही थी। नौबत यह आ गई है कि वार्ड पार्षद एवं अधिकारियों ने लोगों के कॉल रिसीव करना भी बंद कर दिए थे। लंबे दिनों से परेशान लोगों को शनिवार को राहत मिली। कचरा गाड़ी सुबह 9 बजे कालोनियों में पहुंची। पूछताछ पर पता चला कि सभी कर्मचारी हड़ताल पर थे, जबकि इधर नगर निगम प्रशासन के अधिकारियों द्वारा लगातार रामकी कंपनी के ठेका सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने का दावा किया जा रहा था।

आम लोगों ने जताई गहरी नाराजगी

अमलीडीह, महावीर नगर क्षेत्र के दिव्य कालोनी, ओम विहार, पियूष कालोनी, शारदा कालोनी सहित अन्य कई कालोनियों में पिछले 10 दिनों से घर-घर कचरा उठाने वाली गाड़ी ही नहीं आ रही थी। इससे इस क्षेत्र के वासियों में वार्ड पार्षद से लेकर जोन-10 दफ्तर के अधिकारी-कर्मचारियों के प्रति गहरी नाराजगी व्याप्त थी। लोगों ने बताया कि कचरा गाड़ी नहीं आने से उनके घरों में कचरा का ढेर लग गया था, जिससे बदबू आने लगी थी तथा संक्रमण बीमारी फैलने का खतरा भी मंडराने लगा था। इसके कारण कुछ लोग तो मजबूरी में कालोनी से बाहर नुक्कड़ में जाकर कचरा फेकना पड़ा। लोगों ने यह भी बताया कि पहले भी एक दिन की आड़ में कचरा की गाड़ी आती थी, जिसके कारण लोगों को एक दिन का कचरा घर पर ही रखना पड़ता था।

गोंदवारा अंडरब्रिज तक गरजा तोड़ूदस्ता, 20 अवैध कब्जे हटाए

- खमतराई से हॉटल पैराडाइज तक कार्रवाई
- जोन 1 क्षेत्र में अवैध कब्जों के खिलाफ चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

नगर निगम ने राजधानी में सड़क यातायात में बाधक और अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को नगर निगम जोन 1 क्षेत्र में हॉटल पैराडाइज से गोंदवारा अंडरब्रिज तक कार्रवाई करते हुए करीब 20 अवैध कब्जे हटाए गए। इसके साथ ही 15 अवैध पाटों को तोड़ा गया।
शनिवार को नगर निगम का तोड़ूदस्ता सड़कों पर फैलते अतिक्रमण के खिलाफ एक बार फिर गरजा। नगर निगम जोन 1 इलाके के हॉटल पैराडाइज से गोंदवारा अंडरब्रिज तक चलाए गए इस अभियान में सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों और बढ़ाए गए शेड और अवैध पाटों को ढहाया गया। कार्रवाई के दौरान सड़क के दोनों ओर फैले अतिक्रमण के हटने से मार्ग पहले की तुलना में काफी चौड़ा नजर आया। कई स्थानों पर लोगों ने नालियों पर पक्के पाटे बना लिए थे, जिससे नाली सफाई में बाधा आ रही थी, इन बाधाओं को भी दूर किया गया। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान कार्यपालन अभियंता द्रोणी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख, उप अभियंता अंकिता सोनवर्षा सहित नगर निवेश विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही।

अब स्पॉट पर ही होगी फोरेंसिक जांच प्रारंभिक रिपोर्ट मौके पर ही मिलना संभव

दो एफएसएल व्हीकल को पुलिस कमिश्नर तथा एफएसएल डायरेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

अपराध अनुसंधान एवं वैज्ञानिक जांच व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। शनिवार को सी-4, सिविल लाइंस रायपुर में दो अत्याधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन को डायरेक्टर एफएसएल सुशील चंद्र द्विवेदी एवं पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा हरी झंडी दिखाकर कर्तव्य स्थल पर रवाना किया गया।

इन आधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वाहनों के माध्यम से अब घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक साक्ष्यों का त्वरित संकलन एवं प्रारंभिक परीक्षण किया जा सकेगा, जिससे अपराधों की जांच अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सशक्त होगी। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि वर्तमान समय में अपराध अनुसंधान में वैज्ञानिक तकनीकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। मोबाइल फोरेंसिक वैन के संचालन से घटनास्थल पर तुरंत पहुंचकर साक्ष्यों को सुरक्षित किया जा सकेगा तथा अपराधों के शीघ्र खुलासे में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में यह सुविधा पुलिस रिस्पॉन्स सिस्टम को नई मजबूती प्रदान करेगी।

चलता-फिरता लैब

उक्त दोनों वाहन सीन ऑफ क्राइम में विभिन्न प्रकार के अपराध स्थलों से साक्ष्य एकत्र करने हेतु आधुनिक फोरेंसिक किट, परीक्षण उपकरण एवं आवश्यक तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। इन मोबाइल प्रयोगशालाओं की विशेषता यह है कि इनका उपयोग रात्रिकालीन जांच कार्यों में भी प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। वाहनों के माध्यम से घटनास्थल पर ही आवश्यक फोरेंसिक परीक्षण एवं साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया को तीव्र गति से पूर्ण किया जा सकेगा तथा प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भी मौके पर उपलब्ध हो सकेगी। इससे जांच की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ अपराधों के त्वरित निराकरण में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले, ग्रामीण एसपी श्वेता सिन्हा सहित पुलिस, एफएसएल एवं प्रॉसिक्यूशन के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर चाकू तलवार, बेसबाल से किया हमला

आपसी रंजिश पर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

तेलीबांधा थाने की पुलिस ने दोनों पक्ष पर हत्या की कोशिश का अपराध दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र में दो पक्षों में शुक्रवार को आपसी रंजिश पर खूनी संघर्ष हुआ। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर तलवार, चाकू तथा बेसबाल से हमला कर एक दूसरे को चोटें पहुंचाईं। दोनों पक्षों के खिलाफ पुलिस ने हत्या की कोशिश का अपराध दर्ज किया है। बताया जा रहा है जिन लोगों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है, वे आदतन बदमाश हैं।

पहले पक्ष की ओर से जलविहार कालोनी निवासी गीता कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि घटना दिनांक की रात करीब 10.15 बजे मोहल्ले का रहने वाला हेशामुद्दीन उनके घर पहुंचा और उनके बेटों को लेकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर हेशामुद्दीन ने गीता कुमार के बेटा शिव कुमार उर्फ बिट्टू के सिर पर बेसबाल बैट से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे गीता कुमार के दूसरे बेटे राहुल कुमार को भी बैट से मारकर घायल कर दिया। दूसरे पक्ष की ओर से इकबालून निशा ने शिकायत दर्ज कराई कि बिट्टू और राहुल कुमार ने उनके परिवार के साथ गाली-गलौज की और तलवार व चाकू से हमला कर दिया। शिकायत के अनुसार बिट्टू ने तलवार से हमला कर उन्हें घायल कर दिया, जबकि राहुल कुमार ने उनके बेटे हेशामुद्दीन उर्फ लक्की पर चाकू से वार किया, जिससे उसकी आंख के पास चोट आई।

शेष 13 के शेष

आंबेडकर अस्पताल में ....

खुजली या सूजन जैसी समस्या होती है। इसके अलावा सन बर्न की शिकायत काफी ज्यादा सामने आती है। गर्मी बढ़ने के साथ आंबेडकर अस्पताल के विभिन्न विभाग में मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है जिसमें त्वचा रोग यानी डर्मेटोलॉजी विभाग भी शामिल है। चिकित्सकों के मुताबिक आने वाले मरीजों में ज्यादातर को सनबर्न यानी शरीर झुलसने जैसी शिकायत लेकर आ रहे हैं। मरीजों को उनकी समस्या के अनुसार दवा के साथ बचाव की नसीहत भी दी जा रही है।

खम्हारडीह रोटरी फेल ....

के विधायक पुरंदर मिश्रा के निर्देश पर विशाल रोटरी को यहां से हटाया गया। अब 18 जंक्शन प्रोजेक्ट में इस तरह की गलती दोबारा न हो इसके लिए रायपुर नगर निगम और ट्रैफिक विभाग मिलकर जल्द दोबारा सर्वे करेंगे। सूत्रों के जिन तीन स्थानों पर चौराहा की दशा सुधारने का काम शुरू किया गया था वहां भी रिवाइज सर्वे के बाद नए सिरे से काम शुरू होगा।
18 चौराहों में ट्रैफिक व्यवस्था सुगम बनाने इस तरह होगा काम : फ्री लेफ्ट टर्न, आवश्यकता अनुसार रोटरी निर्माण, डिवाइडर में सुधार, सड़क यातायात में बाधक बन रहे स्ट्रीट पोल, बिजली के ट्रांसफार्मर को वहां से हटाकर सुरक्षित जगह पर शिफ्टिंग, दिशा सूचक बोर्ड, शेड तथा आइसलैंड का निर्माण।

इन स्थानों का चयन....

लाखे नगर चौक
लोधीपारा अवंति बाई चौक
महिला थाना चौक
राजीव गांधी मूर्ति के पास, सुभाष स्टेडियम चौक
तेलीबांधा थाना के पास मेक इन इंडिया स्कॉवयर
शास्त्री चौक, शारदा चौक

किस्त पटाना बंद, इसलिए...

कारण अब जरूरतमंदों को भी लोन नहीं मिल पा रहा है। विभाग में ऐसे कई आवेदन डंप पड़े हुए हैं, जो लोन नहीं मिलने से स्वरोजगार भी थापित नहीं कर पा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना के तहत दिव्यांजनों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक लोन दिया जाता है। यह लोन काफी कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाता है, ताकि हितग्राहियों पर लोन और किस्त पटाने में आर्थिक रूप से ज्यादा बोझ न पड़े।प्रदेश में जब से यह योजना शुरू हुई है, तब से लेकर अब तक रायपुर जिले में इस योजना के तहत कुल 196 दिव्यांग हितग्राहियों को लोन दिया है। लोन की राशि अलग-अलग है, जो 50 हजार से लेकर 10 लाख के ऊपर है। लोन लेने के बाद शुरूआती महीनों में हितग्राहियों ने लोन की किस्त अदा करते रहे, लेकिन बाद में किस्त पटाना ही छोड़ दिए। इनमें कई हितग्राहियों ने कुल लोन का 25 प्रतिशत भी भुगतान नहीं किए हैं। हालांकि इनमें ज्यादातर हितग्राही कोविड कॉल से लोन की किस्त पटाना बंद कर दिए हैं।
49 प्रकरण में आरआरसी जारी: विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार लोन नहीं पटाने वाले 158 हितग्राहियों में जिन पर लाखों रुपए लोन बकाया है। उनमें से 58 हितग्राहियों के विरुद्ध विभाग ने आरआरसी भी जारी किया है। इसके तहत विभाग ने संबंधित क्षेत्र के तहसील कार्यालय को पत्र लिखकर हितग्राहियों से लोन की रकम वसूली के लिए पत्र लिखा है। इसके तहत तहसील द्वारा अब इन बड़े लोन हितग्राहियों की संपत्ति कुर्क कर रिकवरी की जानी है, लेकिन अब तक यह कार्रवाई भी नहीं की गई है। इसके कारण लोन की रकम भी रिकवरी नहीं हो पाई है।
5 करोड़ लोन बकाया: 158 हितग्राहियों पर लगभग 5 करोड़ रुपए लोन बकाया है। नोटिस के बाद कई हितग्राहियों ने लोन पटाना शुरू किया है। रिकवरी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। 49 हितग्राहियों के विरुद्ध आरआरसी भी जारी की है।
- अरविंद गेडाम, जिला अधिकारी, समाज कल्याण विभाग
5 करोड़ लोन बकाया: 158 हितग्राहियों पर लगभग 5 करोड़ रुपए लोन बकाया है। नोटिस के बाद कई हितग्राहियों ने लोन पटाना शुरू किया है। रिकवरी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। 49 हितग्राहियों के विरुद्ध आरआरसी भी जारी की है।
- अरविंद गेडाम, जिला अधिकारी, समाज कल्याण विभाग

अब अधिकतम 50 हजार....

का कहना है कि अभी तक उनके पास लगभग 5-6 आवेदन ही आए हैं। इनमें भी 10 से 50 हजार रुपए तक लोन की मांग की गई है।

हेरोइन चिट्टा सप्लाई....

44 प्रकरणों में 83 आरोपी गिरफ्तार - पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद रायपुर पुलिस ने पश्चिम जोन में एनडीपीएस एक्ट के कुल 44 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें अब तक 83 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है, ताकि रायपुर में सक्रिय अन्य पैडलरों और नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान की जा सके।

3 लाख में ....

इलाज के लिए सर्जरी आवश्यक थी। इसके लिए कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी, कार्डियोलॉजी, कार्डियक एनेस्थीसिया, रेडियोलॉजी तथा पीडियाट्रिक्स विभागों के विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम बनाकर सर्जरी की गई। चिकित्सकों के अनुसार बच्चे की हृदय कार्यक्षमता अत्यंत गंभीर रूप से प्रभावित थी, जिसकी वजह से ऑपरेशन के दौरान जोखिम काफी अधिक था। जटिल पेरीऑपरेटिव एवं एनेस्थीसिया प्रबंधन का नेतृत्व डा. सुब्रता सिंह और उनकी टीम ने किया। ऑपरेशन के बाद के पहले 24 घंटे अत्यंत महत्वपूर्ण रहे, जिनमें गहन बहुविषयक निगरानी एवं उपचार की आवश्यकता पड़ी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना
सस्ती नहीं मुफ्त बिजली
की ओर बढ़ता
छत्तीसगढ़
छ.ग. में ऑन-ग्रिड सिस्टम स्थापना की
प्रारंभिक कंपनियों में से एक
सरकार द्वारा 108000 अनुदान राशि
सुपर प्रीमियम क्वालिटी
क्या आपका सोलर स्ट्रक्चर 25 साल चलेगा...!
आईये हम देते हैं 25 साल चलने वाला सोलर स्ट्रक्चर
खूबियाँ :-
उच्च दक्षता वाला पैनल एवं इन्वर्टर
4-5 एमएम मोटाई वाला एमएस हॉट डीप स्ट्रक्चर
एसी-डीसी कॉपर केबलिंग प्रीमियम क्वालिटी ब्राण्ड के साथ
उच्च गुणवत्ता वाले एचएमएस पीवीसी पाइप एवं एसएस नट-बोल्ट
5 साल की इंश्योरेंस पॉलिसी सुविधा उपलब्ध
सोलर में 5% की अतिरिक्त छूट*
*ऑफर 31 मई तक लागू
adani Solar
HAVELLS
WAAREE
LUMINOUS SOLAR
TATA POWER SOLAROOF
RAREBOX SOLAR
Opp. SBI ATM, Ashwani Nagar, Raipur (C.G.) 9630131550, 9039015615
ATUL PUBLICITY

हरिभूमि लाइव
रायपुर, रविवार 24 मई 2026
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

'स्वरोत्सव' में 'आन मिलो सजना' ....

लाइव इवेंट

रोजगार मेले में 257 अभ्यर्थियों को मिले नियुक्ति पत्र, रेलवे ने दी सबसे ज्यादा नौकरियां

रायपुर। युवाओं को रोजगार से जोड़ने और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में शनिवार को 19वें 'रोजगार मेले' का भव्य आयोजन किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम (साइंस कॉलेज मैदान के पास) में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न केंद्रीय विभागों में चयनित 257 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन रहा। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 47 स्थानों से जुड़े लगभग 51,000 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित किया। उन्होंने सभी युवाओं को उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं देते हुए आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ 'राष्ट्र निर्माण' में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

भौतिकरूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए

रायपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में कुल 803 चयनित अभ्यर्थियों में से 257 को भौतिकरूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी रेलवे विभाग की रही। रेलवे विभाग में 200 अभ्यर्थी, पोस्टल (डाक) विभाग में 34, वित्त बैंक ऑफ बड़ौदा में 11 और स्वास्थ्य मंत्रालय में 7 अभ्यर्थी और हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में 5 अभ्यर्थी की नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

केंद्रीय मंत्री ने सौंपे नियुक्ति पत्र

समारोह में जनजातीय मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने हाथों से युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस गरिमामयी अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, रायपुर मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में रेलवे अधिकारियों ने कहा कि रोजगार मेले के इस सफल आयोजन से युवाओं को न केवल एक सशक्त भविष्य मिला है, बल्कि यह पहल समूचे क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी।

राजधानी में कई समाज बेटे-बेटियों की पढ़ाई में आर्थिक तंगी न बने रोड़ा, इसलिए सहयोग की भावना से बढ़ा रहे हाथ

उच्च शिक्षा दिलाने में भी समाज निभा रहा सहभागिता, माता पिता का सहयोगी बनने आवेदन पर बांट रहे प्रोत्साहन राशि

'शहरी परिवेश में सामाजिक ताना-बाना अब सिर्फ होली और दिवाली मिलन तक सीमित नहीं रहा। लोग सामाजिक सरोकार को मजबूत करने के लिए युवक-युवती परिचय सम्मेलन और शादियों के लिए आदर्श विवाह का हिस्सा बनाने के लिए लग्न वेदी भी सजाने लगे हैं। विगत कुछ वर्षों में कई समाज के लोगों ने बेटे-बेटियों की पढ़ाई पूरी कराने में किसी माता-पिता को आर्थिक दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े, इसलिए उच्च शिक्षा दिलाने आर्थिक सहयोग स्वरूप प्रोत्साहन राशि देने का भी दायित्व निभाने लगे हैं, ताकि समाज में बेटे-बेटियों के शिक्षा का ग्राफ बेहतर किया जा सके।'

रायपुर। बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट जारी होने के बाद अब भी ज्यादातर समाजों के लोग मेधावी छात्र-छात्राओं को सामाजिक मंच पर सम्मानित करने की पहल करते हैं, लेकिन कई समाज प्रमुखों ने वर्षों पहले उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए प्रोत्साहन राशि देने का सिलसिला शुरू किया है। इससे जहां एक तरफ समाज से जुड़े लोगों का भरोसा बढ़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ समाज की सहभागिता से उनके बेटे-बेटियों की शिक्षा और शादी करवाने में समाज के लोग मदद करने आगे आ रहे हैं। इससे सामाजिक सरोकार से जुड़े लोगों का आत्मविश्वास, समाज के प्रति भरोसा और सहयोग की भावना मजबूत हो रही है। शिक्षा दान को मजबूती देने के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले समाज प्रमुखों का मत है कि शिक्षा के लिए सहयोग की प्रक्रिया को आगे भी बेहतर तरीके से संचालित करने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को समाज के प्रति उनके दायित्व का एहसास कराना है।

सभी समाज के विद्यार्थियों को देते हैं सहयोग

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने बताया कि उच्च शिक्षा में किसी युवा के सामने आर्थिक तंगी जैसी स्थिति न बने, इसे ध्यान में रखते हुए संगठन ने प्रति विद्यार्थी को दो लाख देने का निर्णय सात साल पहले लिया। इसके लिए सभी जाति और धर्म के युवाओं द्वारा आवेदन किया जाता है, जिसका निर्णय संगठन की समिति द्वारा लिया जाता है। समिति की अनुशंसा पर प्राप्त आवेदनों में से 8 से 10 युवाओं को हर साल राशि जारी करते हैं। इसके लिए युवाओं को आवेदन फार्म भरना होता है। साथ ही जिस सेमेस्टर की फीस जमा करने के लिए वे जानकारी देते हैं। उसकी जांच और प्रति सेमेस्टर की फीस के लिए परफॉर्मेंस बेस पर फंड जारी करते है। आगामी शिक्षा सत्र को लेकर मिलने वाले आवेदनों पर जून में निर्णय लिया जाएगा। अप्रैल में आवेदन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए मीटिंग में निर्णय लिया गया है।

अच्छे अंक से पास होने वालों का करेंगे सम्मान

सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला ने बताया कि लगातार दूसरे वर्ष भी 12वीं में सबसे ज्यादा अंक अर्जित करने वाली समाज की एक छात्रा और एक छात्र को 5100-5100 रुपए आगे की पढ़ाई में सहयोग के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दिया जाएगा। इसके अलावा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12 वीं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मैडल और प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन भी किया जाएगा। 12वीं में सबसे ज्यादा अंक से पास होने वाले समाज के छात्र को भगवान परशुराम सम्मान और प्रोत्साहन राशि देंगे। इसी तरह एक छात्रा को तुलसी सम्मान और प्रोत्साहन राशि दिए जाएंगे । इसके अलावा भी उच्च शिक्षा में आर्थिक तंगी रोड़ा न बने, इसलिए 2024-25 में एलएलबी की एक छात्रा को 11 हजार प्रोत्साहन के रूप प्रदान किया गया था। अभी तक सम्मान प्राप्त करने के लिए 58 विद्यार्थियों ने कार्यालय में आवेदन जमा किया है।

समाज के बेटे-बेटियों की मदद और प्रयास

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोडस राम कश्यप ने बताया कि समाज के बेटे-बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए पांच साल पहले आर्थिक सहयोग देने के लिए पहल शुरू की गई थी, जो अभी तक अनवरत जारी है। इस पहल के माध्यम से एनआईटी, ट्रिपलआईटी के साथ आईआईटी में पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग के रूप में 30 से 50 हजार रुपए का सहयोग करते हैं। अभी तक 12 से अधिक बेटे-बेटियों को आर्थिक सहयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा दिलाने में सहभागिता निभाई गई है। आगामी 19 जुलाई को बघेल जयंती पर 10वीं और 12वीं में अच्छे अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों की हौसला अफजाई के लिए समाज प्रमुखों की मौजूदगी में प्रशस्ति पत्र के साथ उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए सामाजिक स्तर पर प्रयास जारी है। राशि देने से पहले कई मापदंड के आधार पर पात्रता देते हैं।

सिटी इवेंट

15 जून से 'सूर्या कप सिल्वर लीग' की शुरुआत आईपीएल की तर्ज पर खिलाड़ियों का ऑक्शन

रायपुर। सूर्या कप क्रिकेट सिल्वर लीग (सीजन-2)' का रोमांच जल्द ही शुरू होने वाला है। इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए रविवार को खिलाड़ियों का ऑक्शन और ट्रॉफी रिवील सेरेमनी का आयोजन शनिवार को किया गया। 15 जून से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में विजेता टीम पर 5 लाख रुपए के नकद ईनाम की बारिश होगी। टूर्नामेंट के आयोजक रिजवान सूर्या ने बताया कि इस बार टूर्नामेंट को और भी भव्य रूप दिया गया है। लीग में अधिकतम 44 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें पूरे प्रदेश के लगभग 750 खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। 15 जून से शुरू होकर यह टूर्नामेंट लगभग दो महीने तक चलेगा, जिसमें दर्शकों को प्रतिदिन 6 रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे। रिजवान ने बताया कि ऑक्शन प्रक्रिया को लेकर फ्रेंचाइजी ओनर्स और खिलाड़ियों में भारी उत्साह देखा गया, जिसके लिए पहले से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। टूर्नामेंट की विजेता टीम को 5 लाख रुपये और उपविजेता (रनरअप) टीम को 2.75 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

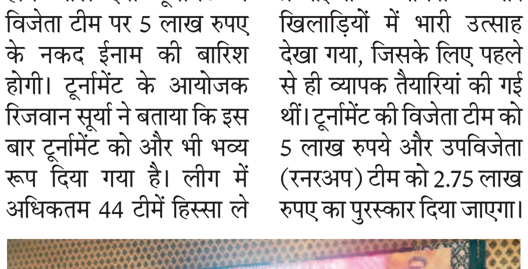

युवा अपनी ऊर्जा खेलों में लगाएं : तोषेंद्र देव साय

ऑक्शन और चमचमाती ट्रॉफी के अनावरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पुत्र तोषेंद्र देव साय बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। खिलाड़ियों और युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि बचपन से ही उनकी क्रिकेट में गहरी रुचि रही है और समय मिलने पर वे खुद भी यह खेल खेलते हैं। उन्होंने प्रदेश के युवाओं से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाएं और अपनी पसंद के खेलों से जरूर जुड़ें। ऑक्शन और ट्रॉफी अनावरण के इस भव्य आयोजन में रायपुर सहित प्रदेशभर के टीम ओनर्स शामिल हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बालाजी बिल्डकॉन के विजय यादव, वीके मशीनरी के शमीम खान, नवकार ज्वैलर्स के प्रीतम जैन, आकाश माधवानी, विनय गोविंदानी, जितेंद्र सिंह ठाकुर, शीतल सिंह ठाकुर और दुर्गा दास लालवानी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आयोजकों को इस शानदार लीग के लिए शुभकामनाएं दीं।

कैनवास पर उकेरा जलसंकट का दर्द, 'सेव वॉटर, सेव लाइफ' का दिया मार्मिक संदेश

रायपुर। पानी की एक-एक बूंद के महत्व को समझाते हुए अग्रसेन महाविद्यालय में 'सेव वॉटर, सेव लाइफ' जल ही जीवन है, विषय पर एक दिवसीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और रंगों के माध्यम से समाज को जल संरक्षण का गहरा संदेश दिया और पानी की बर्बादी रोकने के प्रति जागरूक किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने चार्ट पेपर पर वॉटर कलर, पोस्टर कलर और स्केच पेन का इस्तेमाल कर पर्यावरण की गंभीर स्थिति का मार्मिक चित्रण किया। पोस्टरों में गिरते भूजल स्तर, सूखे की भयावह स्थिति, वर्षा जल संचयन की आवश्यकता और भविष्य में पानी के बिना जीवन की कल्पना को संवेदनशीलता के साथ दर्शाया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अक्षा अग्रवाल और द्वितीय स्थान वंशिका नायक को पृथ्वी पर पानी के संकट और प्रदूषित पर्यावरण को बखूबी रेखांकित करने पर दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यूलेंद्र राजपूत ने घोषणा की कि सभी विजेताओं को महाविद्यालय के आगामी 'स्थापना दिवस' पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

जल बचाना आने वाली पीढ़ियों का अधिकार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. वीके अग्रवाल ने कहा कि जलसंकट आज एक वैश्विक समस्या बन चुका है। युवा अपनी कला और रचनात्मकता के जरिए समाज में जागरूकता फैलाने की सबसे अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अमित अग्रवाल ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा, पानी बचाना समाज पर कोई उपकार नहीं है, बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ियों का अधिकार है। मनुष्य को इसकी गंभीरता समझनी ही होगी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रबंध विभाग के प्रोफेसर एसके इंदुरकर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मेरी मां कला प्रदर्शनी आज गैलरी में सजेंगी 50 रचनाएं

रायपुर। उभरते हुए कला प्रेमियों को मंच देने की पहल करते हुए 'मेरी मां कला प्रदर्शनी-2026' का आयोजन कला परिषद द्वारा 24 मई को शाम 6 बजे से किया जाएगा। महाकोशल आर्ट गैलरी में चित्रकारों की रचनाओं को प्रदर्शन के लिए सजाया जाएगा। इसके लिए कलाकारों से कृतियां भी मंगाई गई हैं। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा। कला वीथिका में आयोजित इस प्रदर्शनी में देश के वरिष्ठ, युवा कलाकारों, महिला एवं बाल कलाकारों की 50 रचनाएं निर्णायक समिति द्वारा चयनित की गई हैं, जिनको प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य नए कलाकारों को बड़े कलाकारों के साथ अवसर देना और उनका मनोबल बढ़ाना है। इसमें सभी तरह के कला प्रेमियों की रचनाओं को आर्ट गैलरी में प्रदर्शित करने की तैयारी है।

कला प्रेमियों को मिलेगा फीडबैक देने का अवसर

इस कला प्रदर्शनी में जल रंग, पेस्टल, एक्रेलिक, कोलाज, ग्राफिक्स, कंप्यूटर ग्राफिक्स, फोटोग्राफी, चारकोल निर्मित रेखांकन, शिल्प रचनाएं मिट्टी, रेत, सीमेंट, प्लास्टर ऑफ पेरिस के माध्यम से रचनाओं का निर्माण किया गया है, जो इस कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित की जा रही हैं। इसे कला प्रेमियों के लिए 31 मई तक अवलोकन का अवसर दिया जाएगा। दर्शक इस प्रदर्शनी को प्रतिदिन शाम 5 से 7 बजे तक निशुल्क देख सकते हैं। इसे देखने आने वाले कलाप्रेमी रचनाओं को लेकर अपना फीडबैक भी दे सकेंगे। इस तरह की व्यवस्था कलाकारों का मनोबल बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम में समाजसेवा और व्यवहारिक एजुकेशन को लेकर कार्यशाला का आयोजन

युवाओं को दी किताबी ज्ञान से परे समाजसेवा की सीख बुजुर्गों को कराया अहसास कि युवा पीढ़ी आज भी उनके साथ

कार्नर न्यूज

रायपुर। वृद्धाश्रम में एक अनोखी कार्यशाला का आयोजन किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर माय भारत कार्यालय, समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं के बीच जुड़ाव के लिए यह पांच दिवसीय एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। बता दें कि इसके रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए थे। जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस लर्निंग कार्यक्रम में जिले के पांच प्रतिभागी युवाओं को 16 पुलगांव स्थित वृद्धाआश्रम में समाजसेवा और व्यवहारिक शिक्षा का समझने का प्रत्यक्ष रूप से एक अद्भुत अवसर मिला, जिसका मुख्य उद्देश्य किताबी ज्ञान से परें जाकर युवा पीढ़ी को समाज के उस तबके के पास लाना था, जिन्हें सबसे ज्यादा जरूरत है इस गतिविधि का उद्देश्य वृद्धजनों को यह अहसास कराना था कि युवा पीढ़ी आज भी उनके साथ खड़ी है, साथ ही उनके अनुभवों से युवा जीवन मे जरूरी सीख ले पाएं। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों द्वारा दैनिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन किया, जिसमें भावनात्मक संबंध और संवाद सत्र के तहत आश्रम में निवासरत वृद्धजनों का युवाओं ने परिचय जाना संवाद के दौरान उन्होंने अपने युवावस्था की कई सारे अनुभव शेयर करते हुए स्कूल समय के प्रमुख खेलों के किस्से बताए।

कार्यक्रम के अंतिम दिन बुजुर्गों को बांटे गए जरुरत के सामान

कार्यक्रम के आखिरी दिन जिला युवा अधिकारी भी पहुंचे। प्रतिभागी युवाओं के साथ राशन किट बांटे, जिसमें ब्रश, कोलगेट, तेल, तोष, बिस्किट फल जैसे जरूरी समान थे। इस पल को सदैव याद रखने हेतु आश्रम के प्रांगण मे बादाम के पेड़ भी रोपे गए। जिला युवा अधिकारी क्षितिज ने बताया की कार्यक्रम के बाद युवाओं को पांच दिनों के कार्यो का विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उन्हें पोर्टल मे अपलोड करना होगा उसके बाद उन्हें मंत्रालय से अनुभावनात्मक प्रमाण पत्र प्राप्त होगा। वरिष्ठ नागरिकों के साथ युवाओं की सह भागिता होना साथ ही संवाद, सहभागिता और साझा अधिगम के माध्यम से युवा स्वयंसेवकों और वरिष्ठ नागरिकों के बीच सार्थक संबंध स्थापित करना है। इन कार्यक्रम के तहत सहानुभूति, समझ और अंतर-पीढ़ीगत जुड़ाव को आगे बढ़ाना, साथ ही बातचीत, मनोरंजक गतिविधियों और रचनात्मक अभिव्यक्ति में शामिल होकर और वरिष्ठ नागरिक सामाजिक जुड़ाव और सहभागिता का अनुभव प्राप्त करना रहा। देश भर में माय भारत द्वारा अनेक विभागों के संग युवाओं को विकसित बनाने ईएलपी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें युवा सीधे जुड़ सकते है। प्रतिभागियों में योगेश कुमार साहू, द्रविन देशमुख, मिनेश यादव, भावना धृतलहरे, कुशल साहू, गौरव श्रीवास, टुकेश्वर् साहू, हिमेश प्रमुख रूप से मौजूद थे।

धर्म लाइव

पशुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ जीवदया दिवस पर 28 को गूंजेगा नवकार महामंत्र

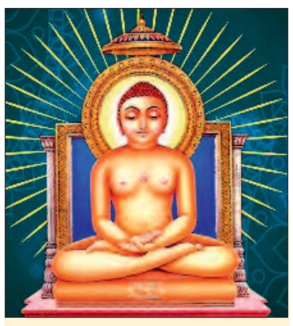

रायपुर। विश्वभर में मूक जीवों और पशुओं पर हो रही क्रूरता को रोकने तथा उनके प्रति करुणा भाव जागृत करने के उद्देश्य से सकल जैन समाज द्वारा एक पुनीत पहल की जा रही है। अहिंसा परमो धर्म के सिद्धांत का पालन करते हुए आगामी 28 मई को जीवदया दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर पशुओं की रक्षा और विश्व शांति की कामना के साथ विशेष रूप से नवकार महामंत्र का जाप किया जाएगा। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट (भैरव सोसायटी) के अध्यक्ष संतोष बैद और महासचिव महेंद्र कोचर ने बताया कि जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों ने सदैव अहिंसा, करुणा और सभी जीवों के प्रति दयाभाव रखने का मार्ग प्रशस्त किया है। भगवान महावीर स्वामी द्वारा दिया गया 'जियो और जीने दो' का संदेश वर्तमान परिदृश्य में भी विश्व शांति और जीव कल्याण के लिए पूरी तरह प्रासंगिक है।

समस्त विपत्तियों का नाशक है नवकार मंत्र

महासचिव महेंद्र कोचर ने कहा कि विश्व पटल पर पशुओं के प्रति हिंसा लगातार बढ़ रही है। इसी के मद्देनजर अहिंसा और दया के भावों के साथ 28 मई को समाज के लोगों द्वारा 7 बार नवकार महामंत्र का जाप किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवकार महामंत्र अत्यंत प्रभावशाली है और यह समस्त विपत्तियों से रक्षा करने वाला मंत्र माना जाता है। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से सकल जैन समाज से विशेष अपील की गई है। आव्हान किया गया है कि वे 'जीवदया दिवस' के दिन जगत के समस्त जीवों के प्रति 'अभयदान' (जीवनदान) के शुद्ध भावों से कम से कम 7 बार नवकार महामंत्र का जाप अवश्य करें, ताकि मूक प्राणियों की रक्षा हो सके और समाज में करुणा का संचार हो।

सिटी लाइव

जैवविविधता संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वालों का किया सम्मान

रायपुर। बिलासपुर जिले के कोपरा जलाशय की रामसर साइट में 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से मनाया गया। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर जैवविविधता के संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वालों को पुरस्कृत भी किया गया। जिसमें जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव वी. माथेश्वरन, वन मंडलाधिकारी नीरज, डॉ. नीतू हरमुख, टहलराम मरई, डॉ. सुभाष चंद्र तिवारी आदि शामिल है। इस मौके पर छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष व मुख्य वक्ता प्रभात मिश्र ने कहा कि जैव विविधता पर कहा कि कोपरा जलाशय जैवविविधता का बहुत बड़ा केंद्र है और हम मनुष्यों का जीवन जैवविविधता पर आधारित है। जहां कीट-पतंगों की आवश्यकता के साथ साथ वन्यजीवों, पक्षियों, जलचरों की उपस्थिति आवश्यक है।

पक्षी संरक्षण एवं प्रकृति जागरूता उत्सव

कार्यक्रम के दौरान कोपरा जलाशय के चारों ओर मानव श्रृंखला बनाई गई, जिसमें ग्रामवासी बच्चे महिलाएं, विश्वविद्यालय के छात्र और स्वसहायता समूह की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई। पक्षी अवलोकन एवं प्रकृति व्याख्या पर जानकारी दी गई। इस अवलोकन में प्रवासी पक्षियों, जो दूरदराज से इस जलाशय में विचरण करते हैं और स्थानीय पक्षियों की पहचान पर जानकारी के साथ-साथ आर्द्रभूमि जैवविविधता पर भी जानकारी दी गई। प्लास्टिक मुक्त कोपरा अभियान पर जागरूकता बोर्ड लगाना, कपड़े के थैलों का वितरण और पर्यावरण के अनुकूल पिकनिक मनाने के लिए अपील संबंधी बोर्ड लगाए गए। हस्ताक्षर अभियान, सीड बॉल निर्माण कार्यशाला, जैवविविधता, वन चेतना पर संगोष्ठी भी कार्यक्रम के दौरान आयोजित की गई।

आकाशवाणी के 90 गौरवशाली वर्ष का जश्न, पद्मश्री मदन चौहान के कबीर भजनों और श्वेता-उर्मी की युगल प्रस्तुतियों ने बांधा समां

'स्वरोत्सव' में 'आन मिलो सजना' और मिर्जापुरी कजरी पर बजीं तालियां, संगीत साधकों की गजल से श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

आकाशवाणी की गौरवशाली 90 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में आकाशवाणी द्वारा एक उपशास्त्रीय एवं सुगम संगीत समारोह "स्वरोत्सव" का आयोजन किया गया। स्थानीय विनायरा ऑडिटोरियम में आयोजित इस सांगीतिक संध्या में देश और प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकारों ने अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा सभागार देर तक तालियों की गूंज और संगीत की धुनों से सराबोर रहा।

रायपुर। सांगीतिक संध्या का शानदार आगाज सुप्रसिद्ध कलाकार श्वेता शिवाले और उर्मी दुबे की मनमोहक युगल प्रस्तुति के साथ हुआ। दोनों कलाकारों ने दादरा, मिर्जापुरी कजरी और सावनी नगमा जैसे पारंपरिक गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से "आन मिलो सजना" और "मिर्जापुर कजरी" की प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का अभिवादन किया।

पद्मश्री मदन चौहान के सूफियाना अंदाज पर झूमे श्रोता

युगल प्रस्तुतियों के बाद मंच पर सुप्रसिद्ध गायक पद्मश्री मदन चौहान ने सुगम संगीत की कमान संभाली। उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में कबीर भजन, गजल और सूफियाना कलाम पेश किए। उनकी इस प्रभावशाली और रूहानी प्रस्तुति ने पूरे ऑडिटोरियम को एक आध्यात्मिक और सांगीतिक ऊर्जा से भर दिया, जिसे सुनकर वहां मौजूद हर संगीत प्रेमी भावविभोर हो उठा।

सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षक है आकाशवाणी

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए आकाशवाणी रायपुर के उपमहानिदेशक एवं क्लस्टर प्रमुख वी. राजेश्वर ने कहा कि 'स्वरोत्सव' आकाशवाणी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोकसेवा प्रसारण की परंपरा का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता के पूर्व से लेकर आज तक आकाशवाणी ने समाज को जागरूक करने और हमारी सांस्कृतिक जड़ों को सहेजने में अहम भूमिका निभाई है। बदलते वक्त के साथ भी हम अपने ध्येय वाक्य 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के सिद्धांत पर अडिग होकर कार्य कर रहे हैं।कार्यक्रम के अंत में आकाशवाणी रायपुर के कार्यक्रम प्रमुख एवं सहायक निदेशक (कार्यक्रम) पंकज मेश्राम ने श्रोताओं और कलाकारों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य भारतीय संगीत परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और श्रोताओं को उनके पसंदीदा कलाकारों से सीधे जोड़ना है।

अष्टमी पर फूलों से सजा बाबा का दरबार दिव्य श्रृंगार दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु

बूढ़पारा स्थित श्री गिरिराज मंदिर में ठाकुरजी की आस्था में भक्त मना रहे उत्सव

रायपुर। शहर के बूढ़ापारा क्षेत्र में स्थित श्रीगिरिराज मंदिर में शनिवार को उत्सव का माहौल रहा। यहां भक्त परिवार की महिलाओं ने उत्साह से ठाकुरजी के दरबार को आकर्षक स्वरूप देने में सहयोग किया। गुलाब, मोंगरा और गेंदा सहित अलग-अलग फूलों से दिव्य दरबार के साथ ही ठाकुरजी का दिव्य श्रृंगार किया। इसके बाद आरती और संकीर्तन का सिलसिला शुरू हुआ। इसके चलते शाम को भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ। मनोज नत्थानी ने आगे बताया कि ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास उत्सव के अंतर्गत ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर श्री गिरिराज मंदिर में गोचरण का मनोरथ लेकर लोग दर्शन के लिए पहुंचे। वास्तव में यहां कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन गोपाष्टमी का उत्सव मनाया जाता है। लेकिन सनातन वैष्णव वल्लभ संप्रदाय में विशेष रूप से अधिक मास में वर्षभर में आने वाले सभी उत्सव नियत तिथियां में महीनेभर में मनाए जाते हैं।

गायों के झुंड स्वरूप का विशेष रूप से किया पूजन

इसी क्रम सुबह भक्तिभाव से लोगों ने पूजा-अर्चना और आरती में भाग लिया। लेकिन शाम ढलने से पहले श्री गिरिराज बाबा के दरबार में गोपाष्टमी गोचरण के मनोरथ में दर्शन देंगे.इस भावना से श्रद्धालु एक झलक पाने के लिए पहुंचे। प्रांगण में वृंदावन और गोवर्धन की तलहटी की भावना से ही सजावट की गई थी। इसमें गायों के झुंड एवं विशेष रूप से गौ पूजन किया गया। साथ मे गोचरण कीर्तन पुष्टिमार्गीय रीतियों से किया गया। इसमें भी भक्तों का उत्साह देखने को मिला। इसमें सभी वर्ग के लोग शामिल हुए। साथ ही मंदिर में व्यवस्था की बागडोर भी संभाली। इससे उत्सव के साथ भक्तिमय माहौल निर्मित हुआ।

51 किलो दूध से ठाकुरजी का अभिषेक

इससे पहले सुबह भक्तों की उपस्थिति में विधि-विधान से ठाकुरजी का 51 किलो दूध से अभिषेक किया गया। इसका पुण्य दर्शन करने के लिए लोग सुबह परिवार के साथ पहुंचे। वहीं शाम को गोचरण लीला का दर्शन करने के लिए लोग भक्ति भाव से पहुंचे। सभी ने ठाकुरजी की पूजा-अर्चना करने और आरती में शामिल होने के बाद उनके लीलाओं पर केन्द्रीत किए गए श्रृंगार से निर्मित मनोहारी दृष्य को निहारने में लीन हुए। ध्यान भाव से ठाकुरजी का स्मरण किया।

राहगीरों को राहत देने युवाओं ने बांटा नीबू शर्बत और आमपना

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी इलाकों में इन दिनों भीषण धूप में भी काम के सिलसिले में आने-जाने वाले राहगीरों को झुलसाने वाली तपिश का सामना करना पड़ रहा है। इसको देखते हुए अलग-अलग युवाओं के ग्रुप लोगों को राहत देने के लिए अलग-अलग तरीके से सेवा दे रहे हैं। इसी क्रम में अब समाजसेवी संस्था अवाम-ए-हिंद ने तपती गर्मी में व्यस्तम मार्गों के आसपास लोगों को नीबू पानी, आमपना, छाछ, ठंडा पानी वितरण करने का सिलसिला गर्मी से बचाने के लिए शुरू किया है। संस्था से जुड़े युवाओं ने शनिवार को जेल रोड, आंबेडकर अस्पताल और डीकेएस के पास से आने-जाने वाले लोगों को राहत पहुंचाने का काम किया। संस्था प्रमुख मो. सज्जाद खान ने बताया कि शादी की सालगिरह, जन्मदिन के मौके पर संस्था के मेंबर्स द्वारा यह सेवा दी जा रही है।

जनसेवा को बेहतर करने लोग भी बन रहे सहयोगी

लोगों की सेवा से जुड़े इस काम के संदर्भ में राजेंद्र शर्मा, महावीर जैन, जुबैर खान, फराज खान, राजकुमार साहू और कुलविंदर सिंह ने बताया कि जिस दिन ग्रुप के युवा परिवार के सदस्यों का जन्मदिन, शादी की सालगिरह के पैसे से पार्टी करने के बजाय उसे लोगों की सेवा में लगाते हैं। इसके अलावा कई दानदाता ऐसे भी आते हैं, जो जनसेवा कार्य की बेहतरी के लिए भोजन और शर्बत वितरण के लिए सामग्री उपलब्ध कराते हैं। प्राप्त होने वाली राशि से युवा दिनभर का शेड्यूल बनाते हैं, ताकि भीषण गर्मी में बाहर निकलने वालों को शरीर की ताजगी के लिए शीतल पेय पदार्थ की सेवा दे सकें। इसमें अब लोग भी सहभागिता निभाने के लिए संस्था का सहयोग करने लगे हैं।

तिलक लगाकर संस्कार कैंप में किया स्वागत, बैलून गेम भी खेला

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की आध्यात्मिक समिति द्वारा संचालित बाल संस्कार शिविर में ऑफलाइन मोड पर शनिवार को बच्चों ने खूब मस्ती की। भीषण गर्मी के बाद भी बच्चों में कैंप को लेकर उत्साह है। बच्चों ने जहां एक ओर बैलून वाले गेम खेलते हुए खूब मस्ती की, वहीं दूसरी ओर फायरलेस कुकिंग के दौरान बच्चों ने आज मैंगो शेक का आनंद भी लिया। संध्या खंगन ने बताया कि शनिवार को भी बच्चों में उत्साह देखा गया। सभी बच्चों का स्वागत रचना ठेंगड़ी ने तिलक लगाकर किया। हनुमान चालीसा का पाठ के प्रति सजग करते हुए लगातार शिविर में आने और घर में अभ्यास करने के कारण बच्चों ने लय और ओजस्वी स्वर में हनुमान चालीसा का एक साथ पाठ किया। बच्चे सबसे ज्यादा गेम को एंजॉय करते हैं। ऐसे में बच्चों का मोबाइल यूज और स्क्रीन टाइम कम करने के लिए प्रतिदिन रोचक गेम्स कराते हैं।

बच्चों ने फायरलेस कुकिंग में सीखा मैंगो शेक बनाना

रचना ठेंगड़ी और संध्या खंगन द्वारा बैलून वाला गेम कराया गया। इसके लिए बच्चों को दो टीमों में बांटा गया। फिर दोनों टीम को एक-एक बैलून दिया गया। बैलून को एक–दूसरे से पास करने वाले गेम का बच्चों ने लुत्फ उठाया। इसमें बच्चे पहले एक लाइन से खड़े हुए, फिर बैलून को पहले लेफ्ट, फिर राइट से पीछे के खिलाड़ी को पास किया। ऐसा ही क्रम ऊपर और अपने दोनों पैरों के बीच से भी किया। बच्चों ने इसे खूब एंजॉय किया। अंत में बच्चों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए फायरलेस कुकिंग के तहत सभासद अक्षता पंडित ने मैंगो शेक बनाना सिखाया। बच्चों ने आम से उसका गुदा निकाला। उसे मथा और फिर उसमें शक्कर मिलाकर मैंगो शेक तैयार किया। शेक को और अधिक स्वादिष्ट बनाने के लिए कटे हुए मेवे के टुकड़े भी डाले। मैंगो शेक बनाने के लिए बच्चे अपने घर से पके हुए आम लेकर आए पहुंचे।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-23 क्रिकेट में वेस्ट जोन अव्वल और ईस्ट जोन दूसरे स्थान पर

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित अंडर-23 एवं सीनियर महिला एक दिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत शनिवार को शानदार मुकाबले हुए। कल्याण कॉलेज मैदान सेक्टर-7 में टीम वेस्ट जोन विरुद्ध ईस्ट जोन में परिणाम वेस्ट जोन ने 42 रन से जीता। बल्लेबाजी में वेस्ट जोनने 9 विकेट पर 175 रन बनाए। सोनाली यादव ने 52, श्वेता देवांगन ने 43 रन और संजना पारधि ने 40 रन बनाए। गेंदबाजी में ईस्ट जोन की प्रतिज्ञा सिंह एवं शिवानी यादव ने 3-3 विकेट लिए। प्रांशु प्रिया ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में ईस्ट जोन ने 7 विकेट पर 133 रन और रूमा दास ने 54 रन बनाए। विकेट कीपर इशा भारती देवांगन ने 25 रन बनाए। गेंदबाजी में वेस्ट जोन की अंजली शर्मा ने दो विकेट लिए। उर्मिला हरिना,शबनम यादव और श्वेता देवांगन ने एक-एक विकेट लिए। दो खिलाड़ी रन आउट हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम साउथ जोन विरुद्ध नॉर्थ जोन में परिणाम साउथ जोन ने 67 रन से जीता। बल्लेबाजी में साउथ जोन ने 4 विकेट पर 235 रन बनाए। विकेट कीपर शिवानी हरि कृष्णा ने 109 रन, मोनिका श्रीवास ने नॉट आउट 59 रन और शिवी पांडे ने 30 रन बनाए। गेंदबाजी में नॉर्थ जोन की चांदनी कुमारी, योगिता लहरे, साक्षी शुक्ला एवं किरण वर्मा ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में नॉर्थ जोन ने 3 विकेट पर 168 रन बनाए। कप्तान सृष्टि शर्मा ने 51 रन, मिताली शर्मा ने नॉट आउट 38 रन और मानसी मौर्या ने 43 रन बनाए। गेंदबाजी में साउथ जोन की दीप्ति ढीमर ने दो विकेट और कनिका मिश्रा ने एक विकेट लिए। लीग मैचो के पश्चात अब पहले स्थान पर वेस्ट जोन, दूसरे स्थान पर ईस्ट जोन, तीसरे स्थान पर साउथ जोन, चौथे स्थान पर सेंट्रल जोन एवं पांचवें स्थान पर नॉर्थ जोन की टीम है।

अंडर-16 क्रिकेट में रायपुर ब्लू टीम पहुंची फाइनल में

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-16 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमी फाइनल मैच के तीसरे दिन विभिन्न टीमों के बीच मैच हुए। राजहरा में टीम प्लेट कंबाइंड विरुद्ध रायपुर ब्लू में परिणाम रायपुर ब्लू ने 5 विकेट से जीता एवं फाइनल में प्रवेश किया। बल्लेबाजी में प्लेट कंबाइंड टीम दूसरी पारी में अपने कल के स्कोर एक विकेट पर 75 रन से आगे खेलते हुए 173 रन बनाकर आउट हो गई। अंकुश कुमार ने 46 रन, अनुराग टोप्पो ने तीस रन और युवराज यादव ने 26 रन बनाए। गेंदबाजी में रायपुर ब्लू के हर्ष साहू ने चार विकेट, पेरगू आर्य ने तीन विकेट और शौर्य जायसवाल ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में रायपुर ब्लू ने दूसरी पारी 5 विकेट पर 121 रन बनाए। इनमें के अभिनव ने 32 रन, अनमोल राज सिंह ने 23 रन और शौर्य जायसवाल ने नॉट आउट 21 रन बनाए। गेंदबाजी में प्लेट कंबाइंड के चंद्र प्रकाश साहू ने तीन विकेट, अनिरुद्ध चौहान एवं निवेश शांक्वार ने एक-एक विकेट लिए। धमतरी में हुए मैच में टीम बिलासपुर विरुद्ध भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) में बल्लेबाजी करते हुए बिलासपुर टीम पहली पारी में 536 रन पर आउट हो गई। अंश कोरी ने 127 रन, अभिनव यादव ने 120 रन और आरुश कापसे ने 102 रन बनाए। गेंदबाजी में बीसीए के नमन गोयल ने चार विकेट और जसराज सिंह सोहल ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में बीसीए ने दूसरी पारी एक विकेट पर 46 रन बनाए। अयांश सागर ने नॉट आउट 27 रन, के साईं आदित्य ने तीन रन और लोकेश ने 14 रन बनाए। गेंदबाजी में बिलासपुर के जतिन बुटाडा ने एक विकेट लिए।

रवि बने प्लेयर ऑफ़ द मैच

भिलाई। बीएसपी इस्पात क्लब द्वारा आयोजित इस्पात सुपर प्रो सॉफ्टबॉल लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत शनिवार को मैच हुए। मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में टीम सूर्या लायंस विरुद्ध वांटेड में परिणाम सूर्या लायंस ने 15 रन से जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ़ द मैच रवि फरिकर रहे। दूसरा मैच वीकेंड लायंस एवं खुर्सीपार टाइटन के मध्य खेला गया। जिसमें वीकेंड लायंस ने 8 रन से जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ द मैच योगेश साहू रहे। मैच कंपेयर सुनील कुमार डड़सेना एवं पियूष साहू और स्कोरर वीरेंद्र रहे। यह जानकारी आयोजक अरविंद सिंह ने दी।

अपनी लाइफ स्टाइल बदल कर ला सकते हैं चेहरे पर रौनक

उम्र से पहले चेहरे पर दिखता बुढ़ापा बन जाता है परेशानी इन आदतों में छिपा है हमेशा जवां नजर आने का सीक्रेट

30 की उम्र में ही आप 35-40 के दिख रहे हैं। यह परेशानी स्किन पर नजर आ रहे एजिंग के साइन्स छीन रहे हैं सेल्फ कॉन्फिडेंसतो परेशान मत हो और इन हेल्दी हैबिट्स को आजमाकर उम्र से जवां नजर आओ।

सही स्किन केयर और लाख कोशिशों के बाद भी तुम्हें तुम्हारी मुश्किल का हल नहीं मिल रहा है। लेकिन, इस दिक्कत का हल यहां मौजूद है और वो भी एक्सपर्ट से बातचीत के आधार पर।

जी हां, उम्र से ज्यादा दिखना काफी महिलाओं की दिक्कत होती है। कई बार समय से पहले ही कई कारणों से चेहरे पर एजिंग के साइन्स नजर आने लगते हैं और इसका सीधा असर महिलाओं के सेल्फ कॉन्फिडेंस पर होता है। आपको बता दें कि सही स्किन केयर के अलावा, डाइट और लाइफस्टाइल से जुड़ी कई आदतें भी एजिंग के लिए जिम्मेदार होती हैं। ऐसे में अगर आप 40 की उम्र में 30 की दिखना चाहती हैं, तो इन टिप्स को फॉलो करें। इस बारे में डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट नंदिनी जानकारी दे रही हैं।

सबसे पहले तो यह जान लो कि उम्र से जवां दिखने का सीक्रेट हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल में छिपा है। उम्र से जवां दिखने के लिए हाइड्रेशन बहुत जरूरी है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास

पानी पिएं। इससे एजिंग के साइन्स कम होते हैं और शरीर में जमा टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं।

स्ट्रेस से दूर रहें। स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल स्किन पर बुरा असर डालता है और इसकी वजह से स्किन अपनी चमक खोने लगती है। अनुलोम-विलोम और कपालभाति समेत कई प्राणायाम तनाव को कम कर सकते हैं। एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर डाइट जैसे ब्लूबेरी, शकरकंद, टमाटर और एवाकाडो को डाइट में शामिल करें। इसके अलावा, हरी पत्तेदार सब्जियां, नट्स और सीड्स जरूर खाएं।डार्क चॉकलेट और ग्रीन टी भी एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। ये स्किन को नुकसान से बचाती है और उम्र बढ़ने के प्रोसेस को धीमा कर सकती है।पूरी नींद लें। स्किन सेल्स को रिपेयर करने के लिए अच्छी नींद जरूरी है। नींद की कमी से डार्क सर्कल्स, थकी हुई त्वचा और उम्र बढ़ने के लक्षण जल्दी दिखने लगते हैं।अनार, गाजर, चुकंदर, टमाटर और आंवला के जूस को डाइट में जरूर शामिल करें। ये जूस एजिंग के प्रोसेस को धीमा कर सकते हैं। हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह स्किन को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से त्वचा को बचाती है और एजिंग के लक्षणों को कम कर सकती है। एक्सरसाइज और योग जरूर करें। भुजंगासन और हलासन, स्किन को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं।

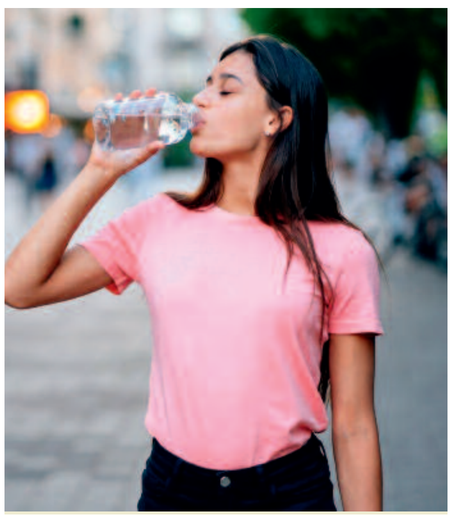

खस की जड़ को पानी में मिलाकर पीने का असर जानिए एक्सटपर्ट से

खस की जड़ को इंग्लिश में वेटिवर जड़ कहते हैं। यह अपनी विशिष्ट सुगंध के लिए जानी जाती है और इसका इस्ते माल कई कामों को पूरा करने के लिए किया जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि औषधीय गुणों के कारण इस जड़ का इ्स्तोमाल आयुर्वेदिक चिकित्सा में भी किया जाता है।

खस की जड़ का पानी पीने से शरीर को ठंडक मिलती हे और प्याजस कम होती है। साथ ही, यह शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

खस की जड़ का पानी डाइजेशन का टॉनिक माना

जाता है, क्योंमकि, इसमें शीतल और कार्मिनेटिव गुण होते हैं। यह डाइजेस्टिव सिस्टीम को मजबूत करता है और भोजन को पचाने में मदद करता है, जिससे एसिडिटी कम होती है। इसके अलावा, इस जड़ में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन कम करते हैं।

खस की जड़ में मौजूद पित्त-शामक गुण शरीर में पित्त असंतुलन को कम करते हैं। इससे बना पानी रोजाना पीने से शरीर में एनर्जी का लेवल बना रहता है और डाइजेशन बेहतर होता है।

खस की जड़ का पानी ब्लेड सर्कुलेशन में सुधार करता है। इसमें मौजूद नेचुरल गुण ब्लसड वेसल्सा को फैलाने में मदद करते हैं।

बीपी भी बार-बार हाई हो जाता है तो हो सकती हैं ये गंभीर दिक्कत

बीपी बार-बार बढ़ता है और दवाई खाकर आप इसे कंट्रोल कर लेती हैं, तो ग़ह अच्छी बात नहीं है, अपनी लाइफस्टाइल को ऐसे करें, कि आपका बीपी न बढ़े, क्योंकि बार-बार बीपी बढ़ने से कई तरह की गंभीर बीमारी हो सकती है। जैसे हार्ट अटैक, क्रोनिक किडनी डिजीज

भागदौड़ भरी जिंदगी में बीपी की समस्या आम हो गई है। हाई बीपी एक छिपे हुए खतरे की तरह होता है। इसे अक्सर हम लोग तब तक नजरअंदाज करते हैं, जब तक कोई बड़ी घटना ना घट जाए। दरअसल हाई बीपी जरूरी नहीं है कि हमेशा वॉर्निंग साइन दे। ऐसे में अगर आपको हर कुछ दिनों पर हाई बीपी की शिकायत हो जाती है, तो इसे नजरअंदाज न करें। बीपी का बढ़ा हुआ नंबर कई बीमारियों की दस्तक हो सकती है। इससे पहले की कोई बीमारी आपको घेरे, आप अभी से ही अपनी लाइफस्टाइल पर ध्यान देना शुरू कर दें। आइए जानते हैं बार-बार हाई बीपी के कारण क्या क्या दिक्कतें हो सकती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट डॉ। प्रियंका सहरावत जानकारी दे रही हैं। बीपी अगर बार-बार बढ़ता है, तो इसका सबसे ज्यादा असर हमारे दिमाग पर होता है। इससे स्ट्रोक आ सकता है। हाई बीपी हमारी धमनियों को सख्त और संकरा बना सकता है, जिसे एथेरोस्क्लेरोसिस कहते हैं, इस वजह से दिमाग की नसों में खून के थक्के बनने की संभावना बढ़ जाती है। इससे दिमाग को ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे ब्रेन हैमरेज भी हो सकता है। लगातार बीपी बढ़ने से दिमाग की कमजोर रक्त वाहिकाएं फट सकती है,जिससे दिमाग के अंदर ब्लीडिंग शुरू हो जाती है।

हाई बीपी का असर दिल पर भी बुरी तरह से पड़ता है। हाई बीपी के कारण दिल को खून पहुंचाने वाली धमनियां सख्त और संकरी हो जाती है। जब ये धमनियां प्लाक और खून के थक्कों से बंद हो जाती है, तो हार्ट अटैक आ सकता है।

हमारी किडनी खून से गंदगी और पानी को छानने का

काम करती है। इनमें छोटी छोटी रक्त वाहिकाएं होती हैं, जो यह काम करती है। हाई बीपी इन नाजुक रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे किडनी की खून को प्रभावी ढंग से फिल्टर करने की क्षमता कम हो जाती है। समय के साथ यह क्रोनिक किडनी डिजीज का कारण बन सकता है। हाँ, बीपी यानी रक्तचाप भी बार-बार हाई हो सकता है। यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि तनाव, चिंता, खराब खानपान, या कुछ स्वास्थ्य समस्याएं। हालांकि, बीपी का बार-बार हाई होना चिंता का विषय है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। बीपी हाई होने के कुछ मुख्य कारण:

तनाव और चिंता: जब आप तनाव या चिंता में होते हैं, तो आपके शरीर में एड्रेलाइन नामक हार्मोन निकलता है जो रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर देता है, जिससे बीपी बढ़ जाता है।

खराब खानपान: बहुत अधिक नमक, शराब या कैफीन का सेवन करना, या पर्याप्त शारीरिक गतिविधि न करना बीपी हाई होने का कारण बन सकता है।

कुछ स्वास्थ्य समस्याएं: कुछ दीर्घकालिक स्थितियाँ जैसे कि किडनी रोग, मधुमेह, और स्लीप एपनिया भी उच्च रक्तचाप का कारण बन सकती हैं।

आनुवंशिकी: यदि आपके परिवार में किसी को हाई बीपी है, तो आपको भी यह होने का खतरा हो सकता है।

ग्लूटेन इंटॉलरेंस भी बढ़ा रहा आपकी सेहत के लिए परेशानियां, राहत पाने करना होगा उपाय

ग्लूटेन इंटॉलरेंस एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को ग्लूटेन नामक प्रोटीन को पचाने में कठिनाई होती है। यह प्रोटीन मुख्यतः गेहूं, जौ और राई जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। डॉक्टर आपको रोटी या गेंहू वाली चीजें खाने से मना कर सकते हैं।अच्छी सेहत चाहते हैं तो खान-पान में सुधार करना बहुत जरूरी हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को आहार में पौष्टिक चीजें, साबुत अनाज, नट्स-सीड्स को भरपूर मात्रा में शामिल करना चाहिए।

भारतीय भोजन में चावल-रोटी, साबुत अनाज आम है, पर क्या आप जानते हैं कि कुछ लोगों को इस तरह के आम दैनिक चीजों के सेवन से भी दिक्कतें हो सकती हैं? विशेषतौर पर जिन खाद्य पदार्थों में ग्लूटेन की मात्रा होती है, उसका सेवन शरीर के लिए समस्या बढ़ाने वाली हो सकती है। इस स्थिति को मेडिकल की भाषा में ग्लूटेन इंटॉलरेंस कहा जाता है।

ग्लूटेन इंटॉलरेंस एक ऐसी स्वास्थ्य स्थिति है जिसमें व्यक्ति को ग्लूटेन नामक प्रोटीन को पचाने में कठिनाई होती है। यह प्रोटीन मुख्यतः गेहूं, जौ और राई जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। इसलिए ऐसे लोगों को रोटी-पराठा, ब्रेड, पास्ता, बिस्किट जैसी चीजें खाने से भी परहेज करना पड़ता है।

ग्लूटेन इंटॉलरेंस और इसके मामले

आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि भारत में, अनुमानतः 6 से 8 मिलियन (60-80 लाख) लोगों को सीलिएक डिजीज है, जो ग्लूटेन इंटॉलरेंस का एक रूप है। सीलिएक डिजीज एक ऑटोइम्यून बीमारी है, इसमें व्यक्ति का इम्यून सिस्टम ग्लूटेन को पचाने की कोशिश में खुद की आंतों को ही नुकसान पहुंचाने लगता है। ऐसे में अगर आप ग्लूटेन वाली चीजें खाते हैं तो इससे बार-बार डायरिया या कब्ज, पेट में सूजन-गैस बनने, पेट दर्द, थकावट और कमजोरी, त्वचा पर चकत्ते होने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। कुछ लोगों को बिना सीलिएक डिजीज के बिना भी ग्लूटेन वाली चीजों से एलर्जी हो सकती है।

ग्लूटेन इंटॉलरेंस होता क्यों है?

ग्लूटेन इंटॉलरेंस, विशेष रूप से नॉन-सीलिएक ग्लूटेन सेंसिटिविटी, एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर ग्लूटेन के प्रति असामान्य प्रतिक्रिया करता है। ये क्यों होता है इसके सटीक कारणों को पूरी तरह से समझा नहीं जा सका है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें आनुवंशिकता, पर्यावरणीय कारक और गट माइक्रोबायोम सहित कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं।

कुछ शोध बताते हैं कि ग्लूटेन इंटॉलरेंस गेहूं और अन्य ग्लूटेन युक्त अनाज में पाए जाने वाले कुछ कार्बोहाइड्रेट को पचाने में दिक्कतों के कारण भी हो सकती है। ये कार्बोहाइड्रेट आंत में किण्वित होने लगते हैं, जिससे सूजन, गैस और पेट दर्द जैसे लक्षण हो सकते हैं। कैसे जानें कहीं आप भी तो नहीं हो गए हैं शिकार?

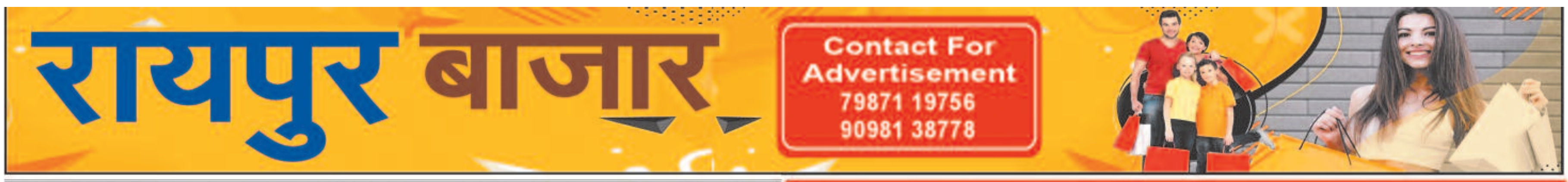

360 बच्चों को मिला नया जीवन, 300 सर्जरी के लिए एसईसीएल- सत्यसाईं हास्पिटल के बीच नया करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 360 बच्चों की सफलता पूर्वक सर्जरी के बाद सत्यसाईं संजीवनी हास्पिटल और साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने 300 नई सर्जरी के लिए एमओयू किया है। इसके अलावा हास्पिटल के समीप स्वास्थ्य सेवा कौशल विकास संस्थान बनाने के लिए सीएसआर मद से आर्थिक मदद की जा रही है।

■ स्वास्थ्य सेवा कौशल विकास संस्थान बनाने सीएसआर फंड से आर्थिक मदद

छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के जन्मजात हृदय दोष से पीड़ित बच्चों के लिए 360 निःशुल्क, जीवनरक्षक हृदय शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक संपन्न होने पर नवा रायपुर के सत्यसाईं संजीवनी हास्पिटल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के 3 महीने से 15 साल की उम्र के 8 मरीजों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास और एसईसीएल के अधिकारियों ने एसईसीएल द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन किए गए 18 अन्य मरीजों को उपहार भेंट किए। इनमें रतनपुर की मरीज राधा श्रीवास को अस्पताल से छुट्टी होने से पहले 63 दिन आईसीयू में बिताने पड़े। इस दौरान निदेशक बिरंची दास ने कहा कि एसईसीएल और श्री सत्य साई स्वास्थ्य एवं शिक्षा ट्रस्ट का दृष्टिकोण वंचितों की सेवा करना, अछूतों तक पहुंचना है। हमें इस उपलब्धि पर गर्व है और हम इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कोयला आधारित जिलों में भी सीएचडी की गंभीरता को समझते हुए अस्पताल के लिए एसईसीएल द्वारा अतिरिक्त 300 सर्जरी प्रायोजित करने की घोषणा कर एमओयू किया।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के सीएचडी पीड़ित बच्चों के इलाज के लिए एमओयू

सभी प्रशिक्षण निशुल्क करेगी प्रदान

ट्रस्टी विवेक गौर ने कौशल विकास संस्थान को समर्थन देने के लिए दास के मानवीय पहलु कार्य की दिल से सराहना किया। एक अलग सीएसआर अनुदान के माध्यम से, एसईसीएल नवा रायपुर में अस्पताल परिसर के पास श्री सत्य साई संजीवनी - एसईसीएल स्वास्थ्य सेवा कौशल विकास संस्थान के निर्माण के लिए धन दे रहा है। यह संस्थान छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के बेरोजगार युवाओं को महत्वपूर्ण पैरामेडिकल भूमिकाओं में प्रशिक्षित करेगा, जिससे एक या दो वर्षीय पाठ्यक्रम पूरा होने पर सीधे रोजगार योग्य स्वास्थ्यकर्मी तैयार होंगे। श्री सत्य साई स्वास्थ्य एवं शिक्षा ट्रस्ट सभी प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान करेगी।

जनरेटर चलाने डीजल के लिए करनी पड़ रही कवायद

सरकारी अस्पतालों में बिजली की बैकअप व्यवस्था पर संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गर्मी के दिनों में डीजल के अभाव में सरकारी अस्पतालों में बिजली की बैकअप व्यवस्था पर संकट आने लगा है। इस मौसम में ओवरलोड के दौरान बिजली गुल होने पर उपचार व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने जनरेटर का उपयोग किया जाता है। डीकेएस, जिला सहित अन्य अस्पतालों में इस इमरजेंसी से निपटने के लिए स्टॉक में औसतन पांच सौ लीटर डीजल की आवश्यकता होती है। अस्पतालों में इमरजेंसी, लेबर रूम, आईसीयू जैसे स्थानों में बिना रुकावट विद्युत व्यवस्था की आवश्यकता होती है।

■ डीकेएस, जिला सहित अन्य अस्पतालों में इमरजेंसी में होता है जनरेटर का उपयोग

प्रदेश में बीच में पेट्रोल-डीजल को लेकर पैनिक स्थिति बन गई थी। इस बीच मौसम में हुए बदलाव और अंधड़-बारिश के दौरान शहर में विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हुई थी। इस दौरान शहर के शासकीय अस्पतालों में विद्युत व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जनरेटर की जरूरत पड़ी थी। जनरेटर की मदद से अस्पताल को रोशन कर लिया गया था, मगर इसके बाद बैकअप का स्टॉक बनाए रखने के लिए भारी मात्रा में डीजल का इंतजाम करने में अस्पताल प्रबंधन को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा था। इसके पूर्व अस्पतालों को बिना किसी परेशानी के जनरेटर के लिए डीजल मिल जाता था, मगर क्राइसेस का हल्ला मचने के बाद भारी मात्रा में डीजल के इंतजाम में उन्हें दिक्कत उठानी पड़ रही है।

इन अस्पतालों में आपात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जनरेटर चलाने के लिए औसतन पांच सौ लीटर डीजल का स्टॉक हमेशा रखना जरूरी होता है। अस्पताल के कई विभाग ऐसे होते हैं, जहां बिना बिजली के उपचार संभव नहीं है, ऐसे में वहां जनरेटर सिस्टम को हमेशा अपडेट रखने की आवश्यकता होती है।

फाइल फोटो

असर अभी भी

अस्पताल से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पहले डीजल का स्टॉक बिना पूछपरख के असानी से किसी पेट्रोल पंप से उपलब्ध हो जाता था। बीच में हल्ला मचने के बाद बड़ी मात्रा में डीजल प्राप्त करन के लिए अस्पताल प्रबंधन के लिखित पत्र अथवा अधिकृत अधिकारी के सिफारिश की आवश्यकतता होती है। आमतौर में अस्पताल द्वारा एक-दो पेट्रोल पंपों को इसके लिए अनुबंधित कर रखा जाता है।

बढ़ जाती है खपत

गर्मी के दिनों में इन सरकारी अस्पतालों में बिजली की खपत बढ़ जाती है। चिकित्सकीय स्टाफ के साथ मरीजों को भी गर्मी से राहत देने के लिए एसी-कूलर का उपयोग किया जाता है। बड़े अस्पतालों के साथ अब छोटे स्वास्थ्य केंद्रों में भी कूलर के बजाए एसी की व्यवस्था की जा चुकी है। विद्युत व्यवस्था में व्यवधान ना हो इसके लिए इन हेल्थ सेंटरों में जनरेटर का इंतजाम किया गया है।

भारतीय व्यापार महोत्सव के लिए कैट और आईटीपीओ के बीच एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कैट और इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गेनाइजेशन के बीच भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के आयोजन को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह महोत्सव नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। इसमें भारत के उद्योग जगत की शक्ति और क्षमता का भव्य प्रदर्शन होगा। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि देश के व्यापार एवं उद्योग जगत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एवं इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशनके बीच "भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के आयोजन के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

■ नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक देश का सबसे बड़ा ट्रेड फेयर

कैट द्वारा लगातार दिए जा रहे स्वदेशी एवं भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने के आह्वान के अनुरूप इस महोत्सव की थीम मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड रखी गई है। महोत्सव देशभर के व्यापारियों, उद्योगों, एमएसएमईउस, स्टार्टअप्स, निर्यातकों, कारीगरों, महिला एवं युवा उद्यमियों को एक साझा राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच प्रदान करेगा।

इस अवसर पर कैट राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि यह भारतीय व्यापारिक समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। पहली बार देश का सबसे बड़ा व्यापारिक संगठन कैट एवं भारत सरकार का प्रमुख व्यापार संवर्धन संगठन आईटीपीओ इतने बड़े स्तर पर एक साथ आकर भारतीय व्यापार एवं उद्योग को वैश्विक मंच प्रदान करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक शक्ति, उद्यमिता, नवाचार एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन का विराट प्रदर्शन होगा। यह महोत्सव भारतीय व्यापार को नई दिशा, नए अवसर एवं वैश्विक पहचान प्रदान करेगा।

श्री पारवानी ने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और लोकल ग्लोबल के विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा,साथ ही भारतीय उत्पादों एवं सेवाओं को देश एवं विदेश के बाजारों में बड़े व्यापारिक अवसर उपलब्ध कराएगा।

महोत्सव की खासियत

- 1,000 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से भारतीय उत्पादों का प्रदर्शन
- 2 लाख से अधिक व्यापारिक प्रतिनिधियों की भागीदारी
- 10 लाख से अधिक आगंतुकों की संभावित उपस्थिति
- 5,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की सहभागिता शामिल होगी।

महोत्सव में **MSMEs**, स्टार्टअप्स, कृषि, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल, हस्तशिल्प, ऑटोमोबाइल, लाइफस्टाइल, डिजिटल कॉमर्स सहित अनेक क्षेत्रों की सहभागिता होगी।

- ग्लोबल बायर-सेलर मीट, इन्वेस्टर्स कॉन्फ्रेंस
- स्टार्टअप शोकेस, नीति संवाद
- सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शार्क टैंक शैली के विशेष निवेशक पिचिंग सत्र

कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद ने कहा कि यह महोत्सव भारतीय व्यापार एवं उद्योग को वैश्विक बाजारों से जोड़ने, निर्यात को बढ़ावा देने, एमएसएमईएस एवं स्टार्टअप्स को नई पहचान दिलाने तथा भारत को विश्व के प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने देशभर के व्यापारिक संगठनों, उद्योग संघों,स्टार्टअप्स, कॉर्पोरेट्स एवं राज्य सरकारों से इस ऐतिहासिक महोत्सव में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

आईटीई के तहत चयन के बाद भी 8 बच्चों को एडमिशन नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में आईटीई के तहत 8 बच्चों का चयन होने के बाद भी निजी स्कूल प्रबंधन द्वारा उन्हें प्रवेश देने से इनकार किया जा रहा है। यह मामला मुजगहन क्षेत्र में संचालित आरके सारडा विद्या आश्रम का है। जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष संदीप यदु ने इस मामले में कलेक्टर गौरव सिंह से शिकायत करते हुए ज्ञापन भी सौंपा है।

■ कलेक्टर से शिकायत

साढ़े पांच साल से कम उम्र बताकर प्रवेश देने से इनकार

आईटीई के तहत सारडा स्कूल में चालू शिक्षा सत्र में कक्षा पहली में 20 बच्चों का चयन लाटरी पद्धति से हुआ है। इनमें से 12 बच्चों को स्कूल में प्रवेश दे दिया गया है, लेकिन 8 बच्चों को प्रवेश देने से इनकार किया जा रहा है। इनकार की वजह बच्चों की कम आयु बताई जा रही है। इन सभी बच्चों की आयु साढ़े 5 साल के अंदर है, जबकि स्कूल के प्राचार्य का कहना है कि कम से कम बच्चे की उम्र साढ़े 5 साल होनी चाहिए। इधर कलेक्टर से की गई शिकायत के बाद इस मामले में अब आईटीई के नियम की जांच की जा रही है। इसके लिए क्षेत्र की नोडल अधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर को पत्र लिखकर इस मामले में मार्गदर्शन मांगा है।

सरकारी विभागों के बिजली कनेक्शन प्रीपैड कराने की योजना खटाई में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के सरकारी विभागों के कनेक्शन नए सत्र से अप्रैल से प्रीपैड करने की योजना थी, लेकिन यह योजना खटाई में पड़ गई है। नए सत्र के दो माह समाप्त होने वाले हैं, लेकिन अब तक न तो प्रीपैड के हिसाब से सॉफ्टवेयर बना है और न ही रीचार्ज कूपन तय हुए हैं। पहले चरण में ब्लाक स्तर के सभी सरकारी विभागों के करीब 45 हजार कनेक्शनों को प्रीपैड करने की योजना बनी है। इनको तीन माह का रीचार्ज करना है, किसी भी सरकारी विभाग ने अब तक रीचार्ज भी नहीं कराया है, क्योंकि कूपन ही तय नहीं हो सके हैं।

■ न अब तक सॉफ्टवेटर बना न रीचार्ज कूपन बने

प्रदेशभर में पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। 1.72 लाख सरकारी विभागों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसमें से करीब 1.62 लाख में ये मीटर लग गए हैं। बचे करीब 10 हजार मीटरों को भी लगाने का काम तेजी से हो रहा है। ये मीटर पंचायतों और आंगनबाड़ी के ही ज्यादा बचे हैं।

विभागों पर बड़ा बकाया

सरकारी विभागों पर बकाया लगातार बढ़ते जा रहा है। अगस्त 2024 में बकाया 1988 करोड़ था जो बढ़ते-बढ़ते मार्च 2025 में 2444.91 करोड़ हो गया था। अब यह बकाया करीब तीन हजार करोड़ से ज्यादा का हो गया है। इसमें सबसे बड़ा बकाया नगरीय निकायों पर दो हजार करोड़ से ज्यादा का है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 600 करोड़ से ज्यादा है। इसी के साथ अन्य विभागों पर एक करोड़ से लेकर सौ करोड़ तक का बकाया है। यह बकाया मार्च तक 35 सौ करोड़ से ज्यादा का हो गया था। लेकिन इसी के साथ हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया मिलने पर इस समय करीब ढाई हजार करोड़ का ही बकाया बचा है, ऐसा पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है।

रीचार्ज कूपन का ही पता नहीं

पहले चरण में ब्लाक स्तर पर करीब 45 हजार सरकारी बिजली कनेक्शनों को प्रीपैड करने की तैयारी है। इन सभी कनेक्शनों के विभागों को अपने बजट से तीन-तीन माह का रीचार्ज कराना होगा। जिस विभाग का एक माह का जितना बिल आता है, उसको देखते हुए तीन माह के बिल के बराबर की राशि का रीचार्ज कराना होगा। इस रीचार्ज के समाप्त होने से पहले आने वाले तीन माह के लिए फिर से रीचार्ज कराना होगा। पहले कहा गया था अप्रैल के पहले सभी विभाग रीचार्ज करा लेंगे, लेकिन किसी ने रीचार्ज नहीं कराया। अब तो मई भी समाप्त होने वाला है लेकिन किसी ने रीचार्ज नहीं कराया है। सबसे बड़ी यह है कि रीचार्ज कूपन ही तय नहीं हो सके हैं तो कोई विभाग रीचार्ज कैसे कराएगा।

सुभाषनगर के चारमुहा नाला, रायपुरा चौक नाला, चिंगरी नाला की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम का स्वास्थ्य महकमा शहर के नालों की सफाई में जुट गया है। जोनवार नाला सफाई के लिए अ भि या न चलाकर बड़े नालों की पोकलेन मशीन से सफाई कराई जा रही है। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही का कहना है कि मानसून पूर्व नाला सफाई के लिए सभी जोनों को 35-35 सफाई कर्मचारियों का नाला गैंग उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा मांग के आधार नाला सफाई के लिए 4 जोन को विशेष प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।

■ बारिश पूर्व नाला सफाई में जुटा निगम

इसी कड़ी में शनिवार को नगर निगम जोन 2 स्वास्थ्य विभाग ने सुभाष नगर चारमुहा नाला, सामुदायिक जिम के पीछे नाला की बारिश पूर्व सफाई करवाई।

नाला सफाई के लिए नगर निगम जोन 5 कमिश्नर खीरसागर नायक के मार्गदर्शन रायपुरा चौक नाला और जोन 7 में जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव के मार्गदर्शन में राजीव नगर नाला की सफाई करवाई गई। इसी तरह जोन 6 क्षेत्र स्थित चिंगरी नाला की जेसीबी मशीन की सहायता से सफाई का कार्य कराया जा रहा है।

तेलीबांधा तालाब किनारे गंदगी फैला रहे देवार डेरा के लोगों को हटाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा शानिवार को तेलीबांधा तालाब के मरीन ड्राइव पहुंचे, उन्होंने वहां गन्दगी फैला रहे देवार डेरा के लोगों को शीघ्र स्थल सर्वे कर वहां से अन्यत्र व्यवस्थापन कर हटाने के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिए। स्थल निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त संबित मिश्रा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, जोन 3 के अधिकारी उपस्थित रहे।

■ उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने निगम अधिकारियों को दी हिदायत

आयुक्त संबित मिश्रा ने तेलीबांधा तालाब क्षेत्र के अनुबंधित सफाई ठेकेदार को तालाब की सफाई में लापरवाही बरतने पर कड़ी फटकार लगाई और अगले 15 दिनों के भीतर तेलीबांधा तालाब को अभियान चलाकर जलकुम्भी से मुक्त करवाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने जोन 3 के अधिकारियों को मरीन ड्राइव तेलीबांधा तालाब के क्षेत्र में सभी दुकानदारों को कचरा तालाब में नहीं डालने की हिदायत देने और सफाई मित्र को सफाई वाहन में कचरा दुकानों में डस्टबिन रखकर गीला और सूखा कचरा पृथक - पृथक करके देने के निर्देश देने कहा है। आयुक्त ने सतत मॉनिटरिंग करते हुए तेलीबाँधा तालाब की स्वच्छता कायम रखने जोन 3 अधिकारियों को निर्देशित किया है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता आशुतोष सिंह,जोन 3 कमिश्नर प्रीति सिंह, ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता नीतीश झा,नरेश साहू की उपस्थिति रही।

क्रेडा ने बनाई अलग-अलग विभागों के लिए योजना, राज्य सरकार से मिली मंजूरी

नया रायपुर बनेगा सोलर सिटी रेस्को मॉडल से रोशन होंगे विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में भी सोलर से बिजली का उत्पादन करने का काम अब तेजी से करने की तैयारी चल रही है। क्रेडा कई योजनाओं पर काम कर रहा है। नया रायपुर को सोलर सिटी बनाने की तैयारी है। इसके लिए क्रेडा ने 18 विभागों के लिए 2370 किलोवाट की योजना तैयार की है। इस योजना को प्रदेश सरकार से मंजूरी भी मिल गई है। पहले 10 मेगावाट बिजली के उत्पादन का 65 करोड़ का प्रस्ताव प्रदेश सरकार के पास भेजा था, लेकिन इसको नामंजूर करके क्रेडा को हर विभाग के लिए अलग-अलग योजना बनाकर देने के लिए कहा गया है। अब क्रेडा ने हर विभाग के लिए अलग-अलग योजना तैयार कर प्रस्ताव भेजा, तो इसको राज्य सरकार ने रेस्को मॉडल में पूरा करने के लिए कहा है।

देश में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए अब केंद्र सरकार ने सोलर बिजली की तरफ रुख किया है। इसके लिए देश के कई राज्यों में भी काम हो रहा है। जहां एक तरफ केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना पर काम चल रहा है, वहीं राज्यों में बड़े-बड़े सरकारी और निजी सोलर प्लांट भी लगाने का काम हो रहा है।

रेस्को मॉडल में लगाने की अनुमति

नया रायपुर को सोलर सिटी बनाने लिए अलग-अलग विभागों की योजना बनाकर प्रदेश सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, राज्य सरकार ने रेस्को मॉडल में इस योजना को पूरा करने की अनुमति दी है। - ***भूपेंद्र सवन्नी,*** *अध्यक्ष क्रेडा*

किस विभाग के लिए कितने किलोवाट की योजना

नया रायपुर में अभी पूरी बसाहट नहीं हुई है। लेकिन यहां पर मंत्रालय, सरकारी और कई निजी संस्थानों के साथ मुख्यमंत्री, मंत्रियों के बंगले भी हैं। क्रेडा ने अब 18 विभागों के लिए अलग-अलग योजना तैयार की है। इसमें सबसे ज्यादा 500 किलोवाट की योजना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की है। इसी के साथ रिटेल कांप्लेक्स के लिए 400 किलोवाट, सीएसआईडीसी मेला स्थल के लिए 250 किलोवाट, ऑफिस कांप्लेक्स के लिए 200 किलोवाट, आदिवासी संग्रहालय के लिए 200 किलोवाट, कमर्शियल कांप्लेक्स के लिए 100 किलोवाट, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के लिए 90 किलोवाट, राज्य योजना आयोग के लिए 90 किलोवाट, इंस्टीट्यूट होटल मैनेजमेंट के लिए 80 किलोवाट, लोक निर्माण विभाग डिवीजन 3 के लिए 70 किलोवाट, छत्तीसगढ़ चुनाव आयोग के लिए 60 किलोवाट, डेवलपमेंट कमिश्नर ऑफिस के लिए 55 किलोवाट, सचिव स्टेट इनफार्मेशन कमीशन के लिए 50 किलोवाट, सचिव राज्य चुनाव आयोग के लिए 45 किलोवाट सहित अन्य विभागों में 30-30 किलोवाट की योजना तैयार की है।